भाद्रपद कृष्ण पक्ष 4-5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 56 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

01 सितंबर 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

28.2 अधिकतम

23.0 न्यूनतम

Page-7

भारत के मर्म को जानना है तो पहले इसे पढ़कर समझ लीजिए राहुल भाई...

यह हजारों वर्षों से लिखी जा रही एक खुली किताब है

भारत जोड़ो यात्रा करना भारत को समझने की शुरुआत हो सकती है, उसका प्रमाणपत्र नहीं। और शायद राहुल गांधी को एक और भ्रम से बाहर निकलना होगा। भारत को समझने के लिए केवल सड़कों पर चलना पर्याप्त नहीं है। कभी-कभी किताबों के पन्नों के भीतर भी उतनी ही लंबी यात्राएं करनी पड़ती हैं। वामपंथी हों या दक्षिणपंथी, किसी भी विचारधारा के चश्मे से भारत को पूरी तरह नहीं देखा जा सकता। भारत को समझने के लिए आग्रह और दुराग्रह दोनों को कुछ देर के लिए बाहर रखना पड़ेगा। राहुल गांधी की शारीरिक ऊर्जा और राजनीतिक सक्रियता पर कोई सवाल नहीं। लेकिन जिस भारत की राजनीति को वे बदलने का सपना देख रहे हैं, उसे बदलने से पहले उसके बौद्धिक और सांस्कृतिक मर्म को समझना भी जरूरी है। राहुल भाई, भारत को चुनौती देने से पहले भारत को पढ़िए। क्योंकि भारत किसी एक किताब में बंद नहीं है। वह हजारों वर्षों से लिखी जा रही एक खुली किताब है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

विवाद में घिरते राहुल

पार्ट -2

मनुस्मृति पर अपनी टिप्पणी के बाद राहुल गांधी ने एक ऐसी बहस को जन्म दे दिया है, जिससे निकलने का आसान रास्ता शायद उनके पास नहीं है। लेकिन यदि राहुल गांधी सचमुच सनातन व्यवस्था को चुनौती देना चाहते हैं और भारत के सामाजिक मर्म को समझने का दावा करते हैं तो मेरी उनसे एक छोटी-सी गुजारिश है- पहले भारत को पढ़ लीजिए, फिर भारत पर फैसला सुनाइए।

सिर्फ मनुस्मृति पढ़कर सनातन धर्म को समझ लेने का दावा वैसा ही होगा जैसे संविधान की एक धारा पढ़कर पूरे भारतीय गणराज्य का फैसला सुना देना। मनुस्मृति भारतीय परंपरा का एक हिस्सा है, संपूर्ण सनातन परंपरा नहीं। उससे पहले वेद हैं, उपनिषद हैं और उसके बाद दर्शन, महाकाव्य, पुराण और असंख्य चिंतन परंपराएं हैं। भारत की खूबी ही यह रही है कि यहां एक ही प्रश्न के अनेक उत्तर खोजे गए और असहमति को भी विचार की जगह मिली।

राहुल भाई, शुरुआत वेदों से कीजिए। ऋग्वेद को पढ़िए, जिसमें प्रकृति, देवताओं और अस्तित्व के रहस्यों पर मनुष्य की शुरुआती जिज्ञासाएं दिखाई देती हैं। यजुर्वेद को समझिए, जिसमें यज्ञ और कर्मकांड की परंपरा विकसित होती है। सामवेद में मंत्र और संगीत का अद्भुत संबंध देखिए और अथर्ववेद में जीवन, स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों की अनेक परतें खोजिए। फिर उपनिषदों की तरफ जाइए। ईश, केन, कठ, मुंडक, मांडूक्य, तैत्तिरीय जैसे उपनिषद केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मनुष्य, आत्मा, ब्रह्म और अस्तित्व के उन प्रश्नों से संवाद हैं, जिनसे आधुनिक दर्शन भी जूझता है। इसके बाद भगवतगीता पढ़िए। कर्म, ज्ञान और भक्ति के बीच संबंध को समझिए। रामायण और महाभारत पढ़िए। सिर्फ कथा के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय समाज, सत्ता, नैतिकता, कर्तव्य और मानवीय द्वंद्व के विराट आख्यान के रूप में।

और... यदि सचमुच भारत के दार्शनिक मर्म तक पहुंचना है तो षड्दर्शन से बचकर नहीं निकल सकते। न्याय का तर्क, वैशेषिक का पदार्थ-विचार, सांख्य का प्रकृति-पुरुष विमर्श, योग की साधना, पूर्वमीमांसा का कर्म-विचार और वेदांत का ब्रह्म एवं मुक्ति संबंधी चिंतन—यह वह बौद्धिक संसार है जिसने भारत की चेतना को आकार दिया है। पुराणों की अपनी दुनिया है और बुद्ध, महावीर, चार्वाक, शंकराचार्य, रामानुज, कबीर, नानक और असंख्य संत-चिंतकों ने इस परंपरा में अपनी-अपनी तरह से प्रश्न भी उठाए और उत्तर भी दिए।

इसलिए यदि राहुल गांधी को वास्तव में सनातन को चुनौती देनी है तो उन्हें केवल मनुस्मृति नहीं, बल्कि भारत की इस पूरी बौद्धिक परंपरा का अध्ययन करना होगा। और इतना ही नहीं, यदि वह भारत की धार्मिक और सामाजिक चेतना को व्यापक रूप से समझना चाहते हैं तो बाइबल, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब, जैन और बौद्ध परंपरा के मूल ग्रंथों को भी पूर्वाग्रह से मुक्त होकर पढ़ना होगा। क्योंकि भारत को समझने का रास्ता किसी एक धर्म के पक्ष या विपक्ष से होकर नहीं जाता। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि उन्हें भारतीय संविधान को भी उतनी ही गंभीरता से पढ़ना होगा। क्योंकि आज का भारत मनुस्मृति से नहीं, संविधान से चलता है। यहां कानून की नजर में नागरिक की पहचान उसके धर्म, जाति या किसी प्राचीन ग्रंथ से नहीं, बल्कि संविधान से तय होती है। यही आधुनिक भारत की बुनियाद है।

न्यूज विंडो

एप्पल के सीईओ टिम कुक का इस्तीफा, लिखी इमोशनल पोस्ट

वाशिंगटन। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने दी। सीईओ के रूप में अपने आखिर दिन पर कुक बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी एक इमोशनल पोस्ट किया। जिसमें एप्पल के कर्मचारियों, ग्राहकों और पूरी एप्पल कम्युनिटी को शुक्रिया कहा और बताया कि उन सभी से उन्हें प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सीईओ के तौर पर उनका पद कल बदल जाएगा, लेकिन एप्पल कम्युनिटी के लिए उनका प्यार कभी नहीं बदलेगा।

ओबीसी क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। ओबीसी क्रीमी लेयर के नियमों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हो रही है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सीएसई-2025 के 958 चयनित उम्मीदवारों की सर्विस अलोकेशन प्रक्रिया पुराने ओबीसी क्रीमी लेयर मानदंड के आधार पर करने की अनुमति मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम रोहित नाथन' मामले में 11 मार्च को ओबीसी क्रीमी लेयर की पहचान को लेकर फैसला दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 14 अक्टूबर 2004 का स्पष्टीकरण पत्र 8 सितंबर 1993 के ऑफिस मेमोरेंडम को नहीं बदल सकता।

चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर डटे किसान, गोल्फ क्लब से रूट डायवर्ट

चंडीगढ़/मोहाली। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने पानी और किसानों की कर्ज माफी जैसे मुद्दों को लेकर चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर पक्का मोर्चा लगा दिया है। यह मोर्चा 7 सितंबर तक जारी रहेगा। आंदोलन के लिए सोमवार शाम से ही किसान जत्थेबंदियां मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर के फेज-11 क्षेत्र में पहुंचना शुरू हो गई। आज सुबह तक बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल पर डट गए। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने बताया कि चंडीगढ़ बॉर्डर पर एसकेएम का यह पहला बड़ा प्रदर्शन है। इस दिन-रात के मोर्चे के दौरान किसानों की मांगों पर प्रतिदिन चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि मुख्य मांगों में पानी से संबंधित पुराने समझौते रद्द करना शामिल है।

आज का कार्टून

प्रधानमंत्री का वीडियो... 7.8 फीसदी आर्थिक विकास दर देशवासियों की मेहनत का नतीजा

मोदी बोले-कुछ लोग निराशा फैला रहे फिर की सोना नहीं खरीदने की अपील

■ विदेश यात्राएं और विदेश में शादी करने से बचने की सलाह

बिश्केक / नई दिल्ली, एजेंसी

देश की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रहने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। साथ ही प्रधानमंत्री ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 11 मई को भी पीएम ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की यह आर्थिक तरक्की ऐसे दौर में आई है, जब पूरी दुनिया युद्ध, गंभीर संकटों और बाधित होती वैश्विक सप्लाई चेन से जूझ रही है। साल 2020 में आई कोविड महामारी के बाद से दुनिया भर में स्थिरता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भी भारत लगातार तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। पीएम ने कहा- देश के अंदर भी कुछ लोग निराशा फैलाने और 'झूठ की गूंज' के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा। उन्होंने कहा, विदेश में घूमने के लिए यात्राएं करने और विदेश में शादी करने से बचना चाहिए। लोगों को मेक इन इंडिया के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पीएम ने यह भी कहा, जितना ज्यादा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जाएगा, भारत उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब देश की युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत सौंपा जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी आर्थिक आंकड़ों का स्वागत किया। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पूरा श्रेय भारत की जनता और उनके अथक परिश्रम को दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार द्वारा लागू किए गए दूरगामी आर्थिक सुधार और अर्थव्यवस्था का कुशल प्रबंधन अब सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। सरकार देश के हर नागरिक के लिए आर्थिक अवसरों का विस्तार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

99 फ़ीसदी सोने की खरीदी विदेशों से

उल्लेखनीय है कि भारत अपने इस्तेमाल का करीब 99 प्रतिशत सोना विदेशों से खरीदता है। 2025-26 में सोने का ये इम्पोर्ट बिल करीब 6.4 लाख करोड़ रुपए का था। भारत को विदेश से सोना खरीदने पर विदेशी मुद्रा डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। जब हम सोना कम खरीदते हैं, तो देश का विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहता है और डॉलर की मांग कम हो जाती है। डॉलर की मांग घटने से विदेशी मुद्रा बाजार में रुपए पर दबाव कम होता है, जिससे रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत बना रहता है। रुपया मजबूत हो तो महंगाई कम होती है।

रहवासी क्षेत्रों में व्यवसाय: वसूली के आरोप

फाइलों में कैद हैं नए भू-आवास नियम, पुराने नियमों से व्यापारियों पर एक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर के रहवासी क्षेत्रों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों को बंद कराने के लिए इन दिनों अभियान चलाया जा रहा है। सैकड़ों कारोबारियों को नोटिस देकर प्रतिष्ठान बंद कराए जा रहे हैं। इसके विरोध में व्यापारी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। कारोबारियों का सवाल है कि जब राज्य सरकार नए भू-आवास नियम तैयार कर चुकी है तो कार्रवाई पुराने नियमों के आधार पर क्यों?

महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मौजूदा कार्रवाई वर्ष 2012 के भू-आवास नियमों के आधार पर की जा रही है, जबकि मध्यप्रदेश सरकार ने 30 मई 2026 को नए भू-आवास नियम जारी किए थे। इन नियमों पर दावे-आपत्तियां भी आमंत्रित की जा चुकी हैं और उनकी सुनवाई पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद नए नियमों का अंतिम नोटिफिकेशन अब तक जारी नहीं किया गया है। आरोप है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी इन नए नियमों की स्थिति स्पष्ट रूप से नहीं रखी है।

नए नियम लागू होने पर बड़ी संख्या में ऐसे कारोबारियों को राहत मिल सकती है, जिनकी व्यावसायिक गतिविधियां 2012 के नियमों के तहत अवैध मानी जा रही हैं। यही वजह है कि कारोबारी नए नियमों को तत्काल लागू करने की मांग कर रहे हैं। कारोबारियों का आरोप है कि नए नियमों को लंबित रखकर पुराने प्रावधानों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। इससे भय का माहौल बन रहा है और कुछ स्थानों पर नोटिस के नाम पर वसूली किए जाने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, अगली सुनवाई में सरकार सुप्रीम कोर्ट के समक्ष नए नियमों की स्थिति रख सकती है।

मेधावी छात्रों को मिले लैपटॉप, सीएम ने पूछे सपने

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं की परीक्षा में 75% या उससे ज्यादा अंक पाने वाले विद्यार्थियों के खातों में लैपटॉप खरीदने के लिए आज 25-25 हजार रुपए ट्रांसफर किए। वहीं 10 बच्चों को प्रतीक स्वरूप लैपटॉप दिए।

लैपटॉप वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेधावी विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई के साथ भविष्य के सपनों पर भी चर्चा की। किसी ने राजनेता बनने की इच्छा जताई तो किसी ने एंटरप्रेन्योर बनने का सपना बताया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके लक्ष्य और पसंद के क्षेत्र को लेकर सवाल किए। 12वीं में 97.2% अंक हासिल करने वाले धीरेंद्र सिंह मुंडेला ने बताया कि वह आगे चलकर राजनेता बनना चाहते हैं। फिलहाल उनका लक्ष्य यूपीएससी की तैयारी करना है।

छात्रों के खाते में 25-25 हजार ट्रांसफर

रामघाट की 300 दुकानें पानी में डूबीं, मैहर में छुट्टी

चित्रकूट/भोपाल, दोपहर मेट्रो

सतना जिले में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति है। सिमरावल नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 36 गांवों को अलर्ट किया गया है। रामघाट की करीब 300 दुकानें पानी में डूब गई हैं।

मझगवां के पालदेव में घरों और सड़कों में पानी भर गया है, जबकि डेंगरहट-खोड़री पुल धंसने और मझगवां-पहाड़ीखेड़ा संपर्क मार्ग अवरुद्ध होने से आवागमन प्रभावित हुआ है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से करीब दो मीटर ऊपर बह रही है। प्रशासन और पुलिस की टीमें प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी कर रही हैं। मैहर में भारी बारिश और नदी-नालों के उफान को देखते हुए आज सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है।

सतना-चित्रकूट में भारी बारिश

मेट्रो एंकर एविएशन सेक्टर के लिए किफायती और टिकाऊ विकल्प, पहली उड़ान का खर्च सिर्फ 500 रुपए

भविष्य का हवाई सफर... दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक विमान का ट्रायल सफल

न्यूयॉर्क , एजेंसी

सड़कों पर इलेक्ट्रिक कारों की भीड़ बढ़ती जा रही है और अब उम्मीदें आसमान पर हैं। हार्ट एयरोस्पेस द्वारा विकसित दुनिया के सबसे बड़े बैटरी-इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट एक्स -1 ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में अपनी सफल पहली उड़ान पूरी करके साबित कर दिया कि अब इलेक्ट्रिक विमान का सपना देखा जा सकता है। 106 फीट के पंखों वाले इस विमान ने 1 मेगावाट से ज्यादा की पावर डिलीवर करते हुए अपनी क्षमता साबित की है और इसकी कुल उड़ान लागत मात्र 5 डॉलर यानी 500 रुपए से कम आई है।

इस सफल उड़ान ने यह साबित कर दिया है कि भविष्य के कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट ना सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल होंगे, बल्कि पारंपरिक जेट विमानों की तुलना में ऑपरेटिंग कॉस्ट को भी भारी मात्रा में घटाएंगे। जहां तक भारत जैसे विशाल और तेजी से बढ़ते विमानन बाजार की बात है, तो कम दूरी के रीजनल रूट्स और छोटे शहरों को आपस में जोड़ने के लिए इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट्स की संभावनाएं असीम हैं। देश में अगर इस दिशा में तेजी से बुनियादी ढांचा विकसित किया जाए, तो आने वाले दशकों में भारत का घरेलू हवाई सफर बेहद किफायती, शांत और पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त हो जाएगा। पहली सफल उड़ान भरने वाला इलेक्ट्रिक विमान लगभग 27 मिनट तक आसमान में रहा और जमीन से 1,100 फीट की ऊंचाई तक पहुंचा।

इस इलेक्ट्रिक विमान का विंगस्पैन, यानी पंखों का फैलाव 106 फीट (32 मीटर) और लंबाई 76 फीट (23 मीटर) है। इसका टेकऑफ वजन 25 हजार पाउंड, यानी 11,340 किलोग्राम से ज्यादा है। यह परीक्षण 'स्पेशल एयरवर्थनेस सर्टिफिकेट इन द एक्सपेरिमेंटल' कैटिगरी के तहत किया गया, जिसमें टैक्सी, टेकऑफ, क्लाइम और लैंडिंग शामिल थी।

कॉमर्शियल एयरलाइनर की योजना

इंट्रेस्टिंग इंजीनियरिंग की रिपोर्ट के अनुसार एक्स1 विमान वास्तविकता में हार्ट एयरोस्पेस के आगामी ES-30 प्रोडक्शन एयरलाइनर के लिए एक डिमॉन्स्ट्रेटर है। यह एक पारंपरिक फिक्सड-विंक और हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक रीजनल एयरलाइनर होगा, जो 30 यात्रियों को ले जाने में सक्षम होगा और इसके 2031 तक सेवा में आने की उम्मीद है। यूनाइटेड एयरलाइंस, एयर कनाडा और JSX जैसी कंपनियों ने पहले ही इस विमान के लिए बुकिंग कर दी है। यहां बता दें कि इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन से विमान संचालन लागत में पारंपरिक क्षेत्रीय विमानों की तुलना में 40 फीसदी से ज्यादा की कटौती होने की उम्मीद है। जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों जो अगस्त के पहले हफ्ते में औसतन 3.5 डॉलर प्रति गैलन थीं, के बीच बैटरी से चलने वाले ये विमान एविएशन सेक्टर में एक किफायती और टिकाऊ विकल्प पेश करते हैं।

सुहाने मौसम में झील किनारे खिला भोपाल, बोट क्लब पर पहुंच रहे हैं लोग

राजधानी में बदले मौसम ने शहरवासियों को गर्मी और उमस से राहत देने के साथ घूमने-फिरने का शानदार मौका दिया। सुहाने मौसम का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पहुंच रहे हैं। ठंडी हवाओं, बादलों से घिरे आसमान और शांत झील के बीच परिवारों और दोस्तों ने जमकर मस्ती की। शाम होते-होते बोट क्लब पर रौनक और बढ़ गई। कोई झील किनारे बैठकर प्राकृतिक नजारों का आनंद लेता नजर आया तो कोई मोबाइल कैमरे में खूबसूरत पलों को कैद करता दिखा। बच्चों ने भी मौसम का भरपूर लुत्फ उठाया। बड़े तालाब का शांत पानी और आसपास की हरियाली ने माहौल को और आकर्षक बना दिया। शहरवासियों का कहना था कि भोपाल की झीलें और हरियाली इसकी खास पहचान हैं। सुहाने मौसम में बोट क्लब की खूबसूरती देखते ही बनती है। ऐसे मौसम में परिवार के साथ प्रकृति के बीच समय बिताना लोगों को खूब भाया।

फर्जी ई-मेल से भेजा बैंक खाता, रकम ट्रांसफर होते ही देशभर के करीब 200 खातों में बांटी

रिलायबल ग्रुप से 1 करोड़ की साइबर ठगी साइबर पुलिस ने 95 लाख रुपए किए होल्ड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के प्रसिद्ध हैरिटेज होटल नूर-उस-सबाह पैलेस से जुड़े रिलायबल ग्रुप के साथ करीब एक करोड़ रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ग्रुप को एक कंपनी को भुगतान करना था। इसी दौरान साइबर ठगों ने संबंधित कंपनी की ई-मेल आईडी से मिलती-जुलती फर्जी आईडी बनाकर संपर्क किया और वाट्सएप के जरिए बैंक खाते की जानकारी भेज दी। ग्रुप ने भरोसा कर दिए गए खाते में एक करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

करीब दो घंटे बाद संबंधित कंपनी ने भुगतान नहीं मिलने की जानकारी दी, जिसके बाद ठगी का पता चला। ग्रुप ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही स्टेट साइबर पुलिस ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई शुरू की और अलग-अलग बैंक खातों में पहुंची करीब 95 लाख रुपये की राशि होल्ड करा दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ठगों ने रकम मिलते ही उसे तेजी से अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया। करीब तीन घंटे में एक करोड़ रुपये देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 200 बैंक खातों तक पहुंचा दिए गए। इनमें से करीब पांच लाख रुपये निकालने में ठग सफल रहे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ी रकम सुरक्षित हो गई। हालांकि, मामले में अब तक नियमित एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

दो घंटे में खुला राज, 1930 पर शिकायत से बची रकम

रिलायबल ग्रुप को एक कंपनी को एक करोड़ रुपये का भुगतान करना था। साइबर ठगों ने कंपनी की मेल आईडी जैसी दिखने वाली फर्जी आईडी से संपर्क किया और वाट्सएप पर बैंक खाते की जानकारी भेजी। ग्रुप ने उसी खाते में रकम ट्रांसफर कर दी। करीब दो घंटे बाद असली कंपनी ने भुगतान नहीं मिलने की जानकारी दी, तब ठगी का खुलासा हुआ। इसके तुरंत बाद साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने एनसीआरपी पोर्टल के जरिए संबंधित बैंक खातों की जानकारी जुटाई और रकम को ट्रैक करने की प्रक्रिया शुरू की। समय पर शिकायत होने से 95 लाख रुपये होल्ड कराने में सफलता मिली।

तीन घंटे में 200 खातों तक पहुंची रकम, 5 लाख निकाले

पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक ठगों ने एक करोड़ रुपये अपने खाते में आते ही उसे तेजी से अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। करीब तीन घंटे के भीतर रकम देश के विभिन्न राज्यों में मौजूद लगभग 200 बैंक खातों तक पहुंच गई। साइबर ठगों ने इस रकम में से करीब पांच लाख रुपये निकाल भी लिए। हालांकि, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 'गोल्डन आवर' में कार्रवाई करते हुए विभिन्न खातों में मौजूद करीब 95 लाख रुपये होल्ड करा दिए। साइबर पुलिस की यह कार्रवाई बड़ी रकम को ठगों के हाथों जाने से रोकने में अहम साबित हुई। मामले की जांच जारी है।

खुद को IPS बताकर ठगे 8 लाख स्पेलिंग मिस्टेक से पकड़ा गया

भोपाल। खुद को 2016 बैच का आॅपीएस और इनकम टैक्स विभाग में असिस्टेंट इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बताकर छह यूपीएससी अभ्यर्थियों से करीब आठ लाख रुपये ठगने वाले 38 वर्षीय ऋषि कुमार यादव को एमपी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आरोपी मूलतः झांसी का रहने वाला है और भोपाल में किराये से रह रहा था। पुलिस के मुताबिक अप्रैल 2026 में अन्नपूर्णा कैफे में उसकी मुलाकात यूपीएससी की तैयारी कर रहे देवांशु वर्मा से हुई। आरोपी ने इनकम टैक्स विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा देकर प्रत्येक युवक से एक लाख रुपये लिए। उसने फर्जी आईपीएस आईडी कार्ड और नियुक्ति पत्र भी तैयार किए। जुलाई में देवांशु समेत तीन युवाओं को नियुक्ति पत्र भेजे गए, लेकिन इनमें ऐसी गलतियां थीं, जिससे युवाओं को शक हुआ। नियुक्ति पत्र में कार्यालय का पता गलत था। 'कनाट पैलेस', 'प्रिविलेज', 'ऑफर्ड' और 'छत्तीसगढ़' जैसे शब्दों की स्पेलिंग भी गलत लिखी गई थी। पड़ताल में फर्जीवाड़ा सामने आया और युवाओं ने पुलिस से शिकायत की। पूछताछ में आरोपी ने मोबाइल और एमएस ऑफिस की मदद से फर्जी दस्तावेज बनाने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार आरोपी का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

बीएससी नर्सिंग की 11,819 सीटों पर काउंसिलिंग शुरू

सरकारी में 520 सीट, तो निजी में 3,435 सीटें बढ़ीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के नर्सिंग शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बी.एससी. नर्सिंग पाठ्यक्रम की काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी अधिकृत सीट आवंटन तालिका के अनुसार, इस वर्ष प्रदेश के 202 कॉलेजों में कुल 11,819 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इनमें 21 सरकारी कॉलेजों की 1,630 सीटें और 181 निजी कॉलेजों की 10,189 सीटें शामिल हैं।

प्रदेश में बी.एससी. नर्सिंग की कुल सीटों में सरकारी कॉलेजों की हिस्सेदारी महज 13.8 प्रतिशत है, जबकि निजी कॉलेजों की हिस्सेदारी 86.2 प्रतिशत है। राज्य में बी.एससी. नर्सिंग की लगभग हर 7 में से 6 सीटें निजी संस्थानों के खाते में हैं। सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में इंदौर के शासकीय नर्सिंग कॉलेज में सर्वाधिक 210 सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा भोपाल (जीएमसी), ग्वालियर (जेए अस्पताल), जबलपुर और रीवा (जीएम अस्पताल) के शासकीय कॉलेजों में 120-120 सीटें तय की गई हैं। भोपाल स्थित केंद्रीय संस्थान बीएमएचआरसी में 40 सीटें हैं। इस वर्ष अनूपपुर, दतिया, झाबुआ, मंदसौर, नरसिंहपुर, रायसेन, राजगढ़, सतना, सीधी और विदिशा जैसे जिलों के जीएनएम-जिला अस्पतालों को अपग्रेड कर नए सरकारी कालेज के रूप में शामिल किया गया है, जहां 60-60 सीटें उपलब्ध हैं।

3435 का हुआ इजाफा

मप्र में बीएससी नर्सिंग की 2026-27 सत्र की सीट मैट्रिक्स में पिछले दो सत्र के मुकाबले बड़ा बदलाव हुआ है। इस बार सरकारी और निजी मिलाकर 202 कॉलेजों में 11,819 सीटें उपलब्ध हैं। 2024-25 में 189 कॉलेजों में 7,864 सीटें थीं। यानी दो सत्रों में कॉलेजों की संख्या 13 बढ़ी, जबकि सीटों में 3,955 का इजाफा हुआ है। सरकारी संस्थानों की संख्या 16 से बढ़कर 21 हो गई।

नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल से मिलकर की मांग- मंत्री शाह कानून के ऊपर नहीं, केस चलाने की दें अनुमति

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के विरुद्ध मुकदमा चलाने की अनुमति देने की मांग कांग्रेस विधायक दल ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से की है।

आज विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधायक दल का प्रतिनिधिमंडल लोक भवन पहुंचा। ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह मंत्री पद पर आसीन ही क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं हो सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मंत्री विजय शाह ने देश की सेना और महिलाओं दोनों का अपमान किया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मुकदमा चलाने के लिए अभियोजन की स्वीकृति सरकार से मांगी थी लेकिन कैबिनेट द्वारा अभियान स्वीकृति न देने की अनुशंसा करने का निर्णय लिया गया, जो की उचित नहीं था।

जब किसी प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन का प्रश्न हो तब शासन की ओर से निष्पक्ष पारदर्शी एवं विधि सम्मत निर्णय शीघ्र लिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया कि प्रकरण की संवेदनशीलता एवं संवैधानिक मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए विजय शाह के विरुद्ध मुकदमा चलाने की अनुमति दी जाए। उधर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने अभियोजन की स्वीकृति ना देने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्या बेटी के सम्मान और सेना शौर्य से बड़ा मंत्री का पद है। ऐसी क्या मजबूरी है, जो मंत्री को बचाया जा रहा है। कैबिनेट की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा मुहर लगाना भी उचित नहीं है। इस पूरे प्रकरण से यह बात साबित हो गई है कि भाजपा केवल सेना के नाम पर वोट की राजनीति करती है।

दुकान के सामने गाड़ी खड़ी करने पर महिला को चाकुओं से गोदा, वाहनों में की तोड़फोड़

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र के साजिदा नगर में सोमवार की दरमियानी रात दुकान के सामने गाड़ी खड़ी करने से रोकना 60 वर्षीय महिला को भारी पड़ गया। नाराज दर्जनभर नकाबपोश बदमाशों ने महिला पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद तलवार और डंडे लेकर मोहल्ले में खड़ी करीब दर्जनभर गाड़ियों में तोड़फोड़ की और फरार हो गए। अचानक हुए हमले से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार साजिदा नगर निवासी भूरी बाई बाथम (60) किराने की दुकान चलाती हैं। रविवार रात करीब एक बजे वह दुकान बंद करने के बाद घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान कुछ युवक दुकान के सामने वाहन खड़ा करने लगे। महिला ने उन्हें वहां गाड़ी खड़ी करने से रोका। इसी बात को लेकर बदमाशों ने विवाद शुरू कर दिया और उनमें से एक ने भूरी बाई पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह घायल हो गईं। इसके बाद बदमाशों ने मोहल्ले में खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाया। तलवार और डंडों से करीब दर्जनभर वाहनों में तोड़फोड़ करने के बाद सभी वहां से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला से पूछताछ की।

भूरी बाई ने बताया कि उनका किसी से पुराना विवाद नहीं है। हमले से कुछ देर पहले उन्होंने दुकान के सामने वाहन खड़ा करने से कुछ युवकों को मना किया। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

मेट्रो एंकर | **भोपाल-इंदौर समेत 9 जिले 'जीरो फैटेलिटी' अभियान में शामिल**

नो इंश्योरेंस, नो पेट्रोल...पंप पर कैमरा बताएगा गाड़ी का बीमा है या नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और बिना बीमा चल रहे वाहनों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। राज्य में जल्द ही 'नो इंश्योरेंस, नो पेट्रोल' व्यवस्था का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। इसके तहत पेट्रोल पंपों पर विशेष कैमरे लगाए जाएंगे, जो वाहनों की नंबर प्लेट स्कैन कर उन्हें वाहन पोर्टल के डेटाबेस से जोड़कर बीमा की स्थिति जांचेंगे। बीमा वैध नहीं होने पर वाहन को पेट्रोल-डीजल नहीं देने की व्यवस्था लागू करने की योजना है।

यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष और सेवानिवृत्त न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में मुख्य सचिव कार्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया। शुरुआत उस जिले से होगी, जहां बिना बीमा वाले वाहनों की संख्या सबसे अधिक है। सफल परीक्षण के बाद इसे अन्य जिलों में लागू किया जा सकता है।

बैठक में सड़क हादसों में मौत रोकने के लिए 'जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' का दायरा भी बढ़ाया गया। अब इंदौर, भोपाल और उज्जैन समेत कुल नौ जिले इसके दायरे में होंगे। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान, आवारा पशुओं से होने वाले हादसों की रोकथाम और स्थानीय लोगों की भागीदारी पर भी जोर दिया गया।

नंबर प्लेट स्कैन होते ही आएगा इंश्योरेंस स्टेटस

'नो इंश्योरेंस, नो पेट्रोल' योजना में तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। पेट्रोल पंपों पर लगाए जाने वाले विशेष कैमरे वाहन की नंबर प्लेट को स्कैन करेंगे। इसके बाद सिस्टम वाहन की जानकारी वाहन पोर्टल के डेटाबेस से मिलाकर बीमा की वैधता जांचेगा। यदि वाहन का इंश्योरेंस समाप्त पाया गया, तो उसे ईंधन नहीं देने की व्यवस्था की जा सकती है। पायलट प्रोजेक्ट के लिए ऐसे जिले का चयन किया जाएगा, जहां बिना बीमा वाले वाहनों की संख्या सबसे ज्यादा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय और तकनीकी विशेषज्ञों से चर्चा के बाद योजना को जमीन पर उतारा जाएगा।

'जीरो फैटेलिटी' मिशन से 800 मौतें घटीं

सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए मध्य प्रदेश में 'जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' का विस्तार किया गया है। धार, सतना, रीवा, सागर, जबलपुर और खरगोन के बाद अब इंदौर, भोपाल और उज्जैन भी इसमें शामिल हो गए हैं। हादसों वाले स्थानों का विश्लेषण कर प्रभावी एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भी समयबद्ध कार्रवाई पर जोर दिया गया है। बैठक में बताया गया कि 2026 के शुरुआती छह महीनों में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में सड़क हादसों में करीब 800 मौतें कम दर्ज हुई हैं।

टीलाजमालपुरा इलाके का मामला

पान थूकने के दौरान पहली मंजिल से गिरा बुजुर्ग, मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

टीलाजमालपुरा इलाके में पान थूकते समय संतुलन बिगड़ने से पहली मंजिल से नीचे गिरे 68 वर्षीय शेख लियाकत की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 10 बजे कबीटपुरा स्थित उनके घर में हुआ।

टीला जमालपुरा पुलिस के अनुसार शेख लियाकत पत्नी और दोनों बेटों के साथ रहते थे। सुबह वह मकान की पहली मंजिल पर पान खा रहे थे। पान थूकने के लिए जैसे ही वह बाहरी हिस्से की ओर झुके, अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे जा गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने पर पत्नी और बहू उन्हें हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचीं। करीब 12 घंटे चले उपचार के बाद उनकी मौत हो गई।

पुलिस कर रही हादसे की जांच

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर हादसे की जांच की जा रही है। मृतक के दोनों बेटे स्क्रेप खरीदी का काम करते हैं।

प्रदेश में 14 लाख अंत्योदय परिवारों का बजट बिगड़ा

राशन दुकानों से पांच महीने से नहीं मिल रही 20 रु. किलो वाली शकर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महंगाई की मार झेल रहे गरीब परिवारों के लिए राशन की दुकान से मिलने वाली 20 रुपये किलो की शकर भी अब दूर हो गई है। अंत्योदय परिवारों को अप्रैल से शकर का वितरण नहीं हुआ है। पांच महीने से बंद इस सुविधा का सीधा असर प्रदेश के 14 लाख अन्त्योदय परिवारों पर पड़ रहा है। इनमें भोपाल के करीब 29,944 परिवार हैं।

बाजार से खरीदने का मजबूर

पहले गेहूं-चावल के साथ एक किलो शकर रियायती दर पर मिल जाती थी, लेकिन अब यही शकर बाजार से खरीदने पर करीब 65 रुपये किलो तक पड़ रही है। यानी परिवार को एक किलो पर करीब 50 रुपये अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। ऐसे में बहुत से परिवारों ने शकर लेना बंद कर दिया है।

केंद्र सरकार की सब्सिडी बंद

खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 20 रुपये किलो की दर पर शकर उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार 18.50 रुपये प्रति किलो सब्सिडी देती थी। राज्य सरकार भी इसमें अंशदान करती थी।

अधिकारियों के मुताबिक 31 मार्च 2026 के बाद केंद्र की सब्सिडी बंद हो गई, जिसके बाद राज्य सरकार के लिए बिना सब्सिडी शकर उपलब्ध कराना महंगा पड़ रहा था। दूसरी ओर राशन दुकानदारों का कहना है कि 31 मार्च के बाद उन्हें शकर का नया स्टॉक ही नहीं मिला है।

गरीब श्रेणी में 3.42 लाख परिवार

जिला खाद्य शाखा के अनुसार भोपाल में करीब 3.42 लाख परिवार गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी में आते हैं। इनमें 29,944 परिवार अंत्योदय श्रेणी के हैं। इन्हीं परिवारों को पहले 20 रुपये किलो में शकर मिलती थी।

पहले बीपीएल परिवारों को भी राशन कार्ड पर शकर मिलती थी, लेकिन यह सुविधा वर्ष 2020-21 से बंद है। अब अंत्योदय परिवारों की रियायती शकर भी बंद होने से गरीब परिवारों की रसोई का खर्च और बढ़ गया है।

इस तरह हुआ बदलाव

20 रुपये - पहले राशन दुकान पर एक किलो शकर की कीमत
65 रुपये तक - बाजार में एक किलो शकर का भाव
50 रुपये तक - प्रति किलो अतिरिक्त बोझ
29,944 - भोपाल के प्रभावित अंत्योदय परिवार
14 लाख - प्रदेश में प्रभावित परिवार

1 अप्रैल 2026 - वितरण बंद होने की शुरुआत

बीपीएल परिवारों को शकर पहले से नहीं मिल रही है। अब पांच महीने से अंत्योदय परिवारों की शकर भी बंद है। फिलहाल इस संबंध में कोई नया आदेश प्राप्त नहीं हुआ है।

- चंद्रभान सिंह जादौन, जिला आपूर्ति नियंत्रक

रामघाट पर गूंजा हर-हर महादेव

श्रावण मास की आस्था और भक्ति से उज्जैन का रामघाट सराबोर नजर आया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भूतभावन भगवान महाकालेश्वर की पंचम सवारी में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। इस दौरान घाट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा।

फिटनेस सेंटर की जांचों पर उठे सवाल

एक ही स्थान पर बार-बार हो रहे हादसों को रोकने के लिए लागू होगी नई योजना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए 'जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट' प्रोग्राम का विस्तार किया जाएगा। धार, सतना, रीवा, सागर, जबलपुर और खरगोन में संचालित यह कार्यक्रम अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन जिले में भी लागू होगा। इसके तहत दुर्घटना संभावित स्थानों और हादसों के कारणों का विस्तृत विश्लेषण कर ऐसी कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे एक ही स्थान या एक ही कारण से होने वाली दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। यह निर्णय मंत्रालय में सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में प्रदेश में सड़क सुरक्षा की स्थिति, दुर्घटनाओं के आंकड़ों और हादसों को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कमेटी के निर्देशों, सरकार द्वारा किए गए सड़क सुरक्षा संबंधी निर्णयों और प्रस्तावित कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'फोर ई' पर रहेगा सड़क सुरक्षा का फोकस

न्यायमूर्ति सप्रे ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मृत्यु की संख्या में प्रभावी कमी लाई जाए। इसके लिए फोर ई- इंजीनियरिंग, इमरजेंसी केयर, एनफोर्समेंट और एजुकेशन पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान करने के निर्देश दिए। बैठक में परिवहन सचिव मनीष सिंह ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं के तुलनात्मक आंकड़ों और सुरक्षा उपायों का प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें ब्लैक स्पॉट, हिट एंड रन, राहवीर योजना सहित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए जा रहे अन्य प्रयासों की जानकारी दी गई। कमेटी ने प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का व्यवस्थित विश्लेषण करने पर जोर दिया। दुर्घटना का स्थान, कारण और परिस्थितियां सामने आने के बाद संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय करते हुए सुधारात्मक उपाय किए जाएं।

ईंधन नीति पर स्पष्टता जरूरी

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर देश में बहस जितनी तेज हुई है, उतनी ही तेजी से कई तरह के भ्रम भी फैल रहे हैं। कहीं इसे वाहन के लिए नुकसानदायक बताया जा रहा है, तो कहीं कहा जा रहा है कि इससे माइलेज घटेगा और पुराने वाहनों के इंजन खराब हो जाएंगे। दूसरी ओर सरकार लगातार इथेनॉल मिश्रण को पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने, किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरणीय लाभ से जोड़कर देख रही है। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि आम उपभोक्ता को सही और पूरी जानकारी कौन देगा?

भारत ने पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की नीति इसलिए अपनाई है क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल आयात करता है। पेट्रोल में घरेलू स्तर पर उत्पादित इथेनॉल का इस्तेमाल विदेशी मुद्रा बचाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में मदद कर सकता है। गन्ने के अलावा मक्का और अन्य कृषि स्रोतों से बनने वाला इथेनॉल किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार भी तैयार करता है। यह नीति अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन इसका लाभ तभी व्यापक होगा जब उपभोक्ता को इसके असर और सीमाओं की स्पष्ट जानकारी मिले।

सबसे अधिक भ्रम पुराने वाहनों को लेकर है। अलग-अलग पीढ़ी के इंजन, उनके डिजाइन और इस्तेमाल किए गए ईंधन तंत्र की इथेनॉल के प्रति सहनशीलता अलग हो सकती है। अधिक इथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल से कुछ पुराने वाहनों में माइलेज या रबर, सील और अन्य ईंधन-संबंधी हिस्सों पर असर की संभावना हो सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर पुराना वाहन खराब हो जाएगा, लेकिन यह भी उचित नहीं कि हर वाहन के लिए अधिक मिश्रण को बिना किसी शर्त के सुरक्षित घोषित कर दिया जाए।

सरकार को इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर तकनीकी और उपभोक्ता-केंद्रित संवाद करना चाहिए। वाहन के मॉडल-वर्ष के अनुसार कौन-सा ईंधन उपयुक्त है, किस मिश्रण पर निर्माता की क्या सलाह है, माइलेज में संभावित कितना अंतर पड़ सकता है और पुराने वाहनों के लिए क्या विकल्प होंगे—इन सवालों के सरल जवाब सार्वजनिक किए जाने चाहिए। पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन के मिश्रण स्तर की स्पष्ट जानकारी उपभोक्ता को मिलनी चाहिए।

साथ ही वाहन निर्माताओं, तेल कंपनियों और सरकार के बीच जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। यदि ईंधन नीति बदल रही है तो उसके अनुरूप वाहनों के मानक, सर्विस व्यवस्था और उपभोक्ता संरक्षण भी मजबूत किए जाने चाहिए। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नई तकनीक के वाहन इसके अनुकूल हैं; लाखों पुराने वाहन सड़कों पर चल रहे हैं और उनके मालिकों की चिंता भी नीति का हिस्सा होनी चाहिए।

इथेनॉल का विरोध समाधान नहीं है, लेकिन उसके पक्ष में अधूरी जानकारी देना भी उचित नहीं। ईंधन परिवर्तन तभी सफल होगा जब नीति पर भरोसा और उपभोक्ता के मन में स्पष्टता दोनों साथ चलें। सरकार को अब इथेनॉल पर बहस को प्रचार बनाम विरोध के द्वंद्व से निकालकर तथ्यों, परीक्षणों और पारदर्शी जानकारी के आधार पर आगे बढ़ाना चाहिए। आखिर ऊर्जा नीति का अंतिम उद्देश्य केवल आयात घटाना नहीं, बल्कि देश के नागरिक को सुरक्षित, किफायती और भरोसेमंद ईंधन उपलब्ध कराना भी है।

जेन जी और सत्ता के समीकरणों में संघ के बदलते रूप

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय 'केशव कुंज' में एक पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में जेन जी और जेन अल्फा के हंगामी प्रचार पर बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने इन दोनों श्रेणियों को पूरी तरह से 'पश्चिमी और यूरोपीय अवधारणा' बताते हुए खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे देश में जेन जी या जेन अल्फा जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। ये शब्द अमेरिका और यूरोप से आते हैं, उस संस्कृति से हमारा कोई लेना-देना नहीं है।' उन्होंने जोर देकर कहा, 'मेरे लिए हमारे देश और असम के युवा कोई 'जेन जी' या 'जेन अल्फा' नहीं हैं, बल्कि वे हमारे अपने बेटे और बेटियां हैं। हम अपने बच्चों को किसी भी श्रेणी में नहीं बांटेंगे।उन्होंने कहा कि भारतीय समाज पारंपरिक रूप से पीढ़ियों को पारिवारिक रिश्तों (जैसे माता-पिता, दादा-दादी, बेटे-बेटी) के माध्यम से समझता है। इसलिए बच्चों को ऐसे पश्चिमी लेबलों में कैद करने के बजाय, हमें एक परिवार की तरह मिलकर रहना चाहिए और बच्चों के कल्याण व देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। पुस्तक विमोचन के बाद उन्होंने यह टिप्पणी गुजरात (सोमनाथ) और मीडिया के अन्य पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान भी साझा की।

हाल के वर्षों में हिमंत बिस्वा सरमा भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री के रूप में ही नहीं भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कारों, हिंदुत्व की संस्कृति पर प्रभावी ढंग से राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे हैं। वह संभवतः कभी संघ के स्वयंसेवक नहीं रहे होंगे, लेकिन कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता से शीर्ष नेता बनते हुए असम और सम्पूर्ण भारत के लिए विदेशी ताकतों संगठनों से हुए नुक्सान को गहराई से समझे हुए हैं। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में भी उन्होंने अन्य लोगों की अपेक्षा अधिक विनम्रता और दृढ़ता से अपनी बातें रखी। जबकि संघ से जुड़े वक्त जेन जी जेन अल्फ़ा का उल्लेख करते हुए औपचारिक भाषण देते रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी आधुनिक सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप संगठन के डिजिटल विस्तार की जरूरत स्वीकार की है। एक रिपोर्ट के अनुसार संघ जेन जी और डिजिटल संपर्क तंत्र पर ध्यान दे रहा है तथा स्वयंसेवकों को तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वहीँ श्री भागवत ने चेतावनी दी कि संगठन को केवल प्रचारोन्मुख नहीं बनना चाहिए। यह बहुत दिलचस्प विरोधाभास है। हाल के वर्षों में संघ भाजपा में यह अंतर्विरोध चुनौतियों के साथ खतरा भी बन रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि संघ प्रमुख और उनके सहयोगी दत्तात्रेय होसबोले के साथ कई प्रचारक मूल संस्कारों और विचारधारा पर जोर दे रहे हैं। दोनों संगठनों में जहाँ समर्पित लोग हैं, वहीँ सत्ता से पद और स्वार्थों की पूर्ति में लगे हैं। इससे छवि पर असर पड़ रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच पार्टी के आंदोलन और उसके पीछे रही बाहरी ताकतों संगठनों के दबाव से सरकार के कुछ नेताओं को जेन जी का राग गाना पड़ा है। लेकिन सत्ता से लाभान्वित संघ भाजपा के युवा संगठनों ने छात्रों की समस्याओं पर संघर्ष और सहयोग के लिए क्या कोई योगदान दिया? सही बात तो यह है कि भाजपा के कई नेताओं की तरह दूसरी तीसरी पंक्तिं के नेता कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर प्रचार तक सीमित रहने लगे। इसीलिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अधिकांश बैठकों में सांसदों विधायकों और अन्य नेताओं को जनता के बीच घर घर तक जाने की आवश्यकता बता रहे हैं। आख़िरकार जनता से जुड़े होने के कारण उत्तर पश्चिम भारत के साथ पूर्वोत्तर में संघ भाजपा शक्तिशाली होकर सत्ता में आई।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी 'ग्रिट एंड ग्लोरी' नामक जिस पुस्तक का लोकार्पण किया वह असम और

पूर्वोत्तर भारत के उन लोगों के योगदान को रेखांकित करती है, जिन्होंने बहुत ही निष्ठा और निस्वार्थ भाव से संघ के साथ मिलकर काम किया और क्षेत्र में सामाजिक परिवर्तन लाने में अपना योगदान दिया।यह पुस्तक पूर्वोत्तर भारत के इतिहास, उसकी चुनौतियों और वहाँ हुए सामाजिक बदलावों पर केंद्रित है। इसमें विशेष रूप से आरएसएस के प्रचारकों और उससे जुड़े संगठनों के उन कार्यकर्ताओं के अनुभवों को संकलित किया गया है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में काम किया। वे लोग बिना किसी स्थापित नेटवर्क या संसाधनों के बेहद सुदूर और अपरिचित क्षेत्रों में गए। उन्होंने कठिन जीवन परिस्थितियों, उग्रवादी समूहों की धमकियों, शारीरिक हमलों और अन्य कठिनाइयों का सामना करते हुए भी समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का अपना काम जारी रखा। अक्सर इस क्षेत्र को केवल संघर्ष, अलगाववाद या उग्रवाद के चश्मे से देखा जाता रहा है। लेकिन यह पुस्तक दर्शाती है कि समाज केवल सरकारी नीतियों या संस्थाओं से नहीं बदलता, बल्कि जमीन पर चुपचाप काम करने वाले लोगों के साहस, दृढ़ता और सेवा भाव से बदलता है।

संघ में प्रचारक का अर्थ ही था—व्यक्तिगत सुविधा छोड़कर संगठन को पूरा समय देना। प्रचारक अक्सर साधारण जीवन जीता था, एक जगह से दूसरी जगह जाता था, कार्यकर्ताओं के घर रुकता था, साइकिल/बस/रेल से यात्रा करता था और स्थानीय समाज में लगातार व्यक्तिगत संपर्क बनाता था।उसकी सबसे बड़ी ताकत मोबाइल फोन, सोशल मीडिया या बड़ा कार्यालय नहीं, बल्कि व्यक्ति से व्यक्ति का संपर्क थी।इसीलिए पुराने प्रचारक किसी शहर में पहुंचते थे तो पत्रकार, शिक्षक, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी, डॉक्टर, वकील और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के घर जाकर घंटों बातचीत करते थे। शाखा और छोटी बैठकों के माध्यम से धीरे-धीरे नेटवर्क बनता था।

दिल्ली के झंडेवाला स्थित पुराने संघ कार्यालय में पदों से प्रचारक अलग नहीं पहचाने जाते थे। एक पत्रकार के नाते 1972 से मुझे कई बार इस कार्यालय में जाने के अवसर मिले। वरिष्ठ प्रचारक चमनलालजी के माध्यम से सरसंघचालक तक से भेंट करना कठिन नहीं था। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जु भैया) और के सी सुदर्शनजी के लम्बे इंटरव्यू छोटे से कमरे में सामान्य कुर्सियों पर बैठकर हो जाते थे। नई बिल्डिंग्स टावर बनने से पहले प्रचारक अपने कमरों या हाल में सामान्य ढंग से खाट पर सोते और जमीन पर बैठकर भोजन किया करते थे। पिछले सप्ताह पूर्वोत्तर पर पुस्तक लोकार्पण के कार्यक्रम के लिए पहली बार संघ के भव्यतम भवनों वाला कार्यालय देखने का अवसर मिला। बाहर सुरक्षा व्यवस्था किसी सरकारी मंत्रालय और कॉर्पोरेट कम्पनी से भी अधिक दिखी। पांच सितारा रंग ढंग देखकर पता चला कि संघ कितना बदल गया है।

अपनी शताब्दी वर्ष की योजना में संघ ने हर गांव और हर घर तक पहुंचने तथा लगभग 58,964 मंडलों और 44,055 बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य बताया था। लेकिन काम करने का तरीका निश्चित रूप से बदल रहा है।पहले प्रचारक का प्रभाव मुख्यतः स्थानीय संगठन और व्यक्तिगत संबंधों से बनता था।आज एक वरिष्ठ प्रचारक के पास बड़ा संगठनात्मक कार्यालय,यात्रा की बेहतर सुविधा, डिजिटल संचार, व्हाट्स अप समूह, वीडियो कॉन्फ्रेंस,सोशल मीडिया टीम,मीडिया संपर्क,विभिन्न संगठनों के साथ समन्वयजैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

आधुनिक भवन भी इसी बदलाव का प्रतीक है। 'केशव कुंज' को केवल कार्यालय भवन के रूप में नहीं, बल्कि संगठनात्मक गतिविधियों, प्रशिक्षण, आवास, प्रकाशन, अध्ययन और बड़े कार्यक्रमों के लिए एक बहुउद्देश्यीय परिसर के रूप में विकसित किया गया है। इसका पुनर्निर्माण लगभग 150 करोड़ रूपये की लागत से हुआ बताया जाता है केशव कुंज परिसर में तीन टावर—'साधना', 'प्रेरणा' और 'अर्चना' हैं। प्रत्येक टावर ग्राउंड फ्लोर के अलावा 12 मंजिल का है। कुल मिलाकर लगभग 300 कमरे और कार्यालय स्थान हैं। यहां तीन बड़े सभागारों की कुल क्षमता 1,300 से अधिक बताई गई है। इसी तरह हाल ही में नागपुर में भी संघ मुख्यालय के स्मृति मंदिर परिसर के लगभग ?300 करोड़ के पुनर्विकास की प्रक्रिया शुरू की है। इसका प्रमुख उद्देश्य पुराने ढांचे को आधुनिक बनाना और 2027 में नागपुर में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के लिए बड़ी एवं आधुनिक सुविधाएं तैयार करना है। इस दृष्टि से नए रुप में संघ भाजपा को पुराने संस्कारों, आधुनिक विचारों में समन्वय और जनता से जीवंत सम्पर्क की चुनौती सबसे अधिक रहने वाली है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर विशेष

संतुलित आहार दरकिनार, जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को

बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है।

शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक हैं, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए। पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड के बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

नंगे पैर चलने से दिल को मिलती है ताकत, अटैक का जोखिम होगा कम

सुबह पार्क की घास पर नंगे पैर चलने की सलाह सभी ने सूनी है। कई लोग इसे तनाव कम करने, शरीर को रिलैक्स करने और दिल की सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। विशेषज्ञों को कहना है कि नंगे पैर वॉक करना हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद है, इसके सीधा प्रभाव से जुड़े प्रमाण कम है। लेकिन, यदि आप नंगे पैर घास पर वॉक करते हैं तो इससे फिजिकल एक्टिविटी के द्वारा ब्लड प्रेशर और कार्डियोवैस्कुलर डिजीज के जोखिम कम करने में मदद मिलती है। अमेरिका हार्ट एसोशिनय के अनुसार हार्ट हेल्थ के लिए

वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मेडिरेट इंटेंसिटी एरोबिक एक्टिविटी करने की सलाह दी जाती है।

एनसीबीआई के अनुसार पैरों के तलवों को उत्तेजित करने से हृदय की कार्यप्रणाली में सुधार होता है। इसके अलवा ब्रिस्क वॉकिंग एक्टिविटी से हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और अन्य गंभीर रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। यह ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने जैसे कार्डियोवैस्कुलर जोखिम कारको पर भी सकारात्मक असर डाल सकती है। इससे वॉकिंग पैटर्न और पैरों के सेंसरी फीडबैक में बदलाव आ सकता है। जूते पैरों को कुशनिंग और सपोर्ट देते हैं, जबकि नंगे पैर चलने पर पैर जमीन की सतह को सीधे महसूस करता है। जनरल ऑफ एप्लाइड नर्सिंग एंड हेल्थ के अनुसार सुबह नंगे पैर टहलने का सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर को कम करने पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। ब्लड प्रेशर नॉर्मल होने से इससे जुड़े रोग जैसे कि हार्ट रोग से बचाव करने में मदद मिलती है। पैरों की नसों के सिरों और अंदरूनी मांसपेशियों को स्टिम्युलेट करके ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे नसों से खून की वापसी (वेनस रिटर्न) में मदद मिलती है और शरीर को आराम मिलता है, जो कार्डियोवैस्कुलर फंक्शन को बेहतर बनाता है। 'जर्नल ऑफ फुट एंड एंकल रिसर्च' जैसे जर्नल्स में छपी रिसर्च से पता चलता है कि प्राकृतिक सतहों के सीधे संपर्क में आने से शरीर में महत्वपूर्ण शारीरिक बदलाव होते हैं, जैसे ब्लड प्रेशर का कम होना और ब्लड वेसल्स की सेहत में सुधार। 15-30 मिनट की वॉक से रोजमर्रा की फिजिकल एक्टिविटी बढ़ना, कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस में सुधार, लंबे समय तक बैठे रहने की आदत कम होना, स्टेमिना और एनर्जी बेहतर होना, मेटाबॉलिक हेल्थ में सपोर्ट मिलना, वजन नियंत्रित करने में मदद आदि फायदे होते हैं।

निशाना

फूल सारे झड़ गये हैं

ब्रजकिशोर पटेल

फूल सारे झड़ गये हैं
शूल सिर पर चढ़ गये है
व्यथित हैं संवेदनाएँ
जुल्म इतने बढ़ गये हैं
झुंड में हैं झूठ सारे
सच अकेले पड़ गये हैं
समय है अपराधियों का
दोष जज पर मढ़ गये हैं
आपकी महिमा बनाने
शब्द बौने पड़ गये हैं
बेशरम फैशन के मारे
शर्म से हम गड़ गये हैं
सर कटें पर ना झुकेंगे
युवा ज़िद पर अड़ गये हैं।

यूजर्स गाइड

यूपीआई AutoPay में बड़ा बदलाव, SIM की तरह पोर्ट कर सकेंगे ऑटोमैटिक पेमेंट्स

यूपीआई ऑटोमैटिक पेमेंट में NPCI बड़ा बदलाव करने वाला है। दरअसल अब किसी भी UPI ऐप पर सेट की गई ऑटोमैटिक पेमेंट को दूसरे ऐप पर सिम कार्ड की तरह पोर्ट किया जा सकेगा। इसके अलावा ऑटो-पे के लिए किए गए सभी सब्सक्रिप्शन को भी एक ही जगह देखा जा सकेगा। इससे आम लोगों को UPI ऐप बदलने पर पुराने मैंडेट को कैंसिल कर दोबारा ऑटो-पे सेट कर सकते हैं।

किसी भी UPI ऐप पर ऑटो पेमेंट सेट करना जितना आसान होता है, ऐप बदलने पर उसे मैनेज करना उतना ही पेचीदा हो जाता है। अगर आप भी अपने ओटीटी सब्सक्रिप्शन, म्यूचुअल फंड SIP या इंश्योरेंस प्रीमियम के लिए PhonePe या Google Pay पर AutoPay सेट कर चुके हैं, तो अब ऐप बदलने पर आपको पुराने ऑटो-पे को कैंसिल कर नया मैंडेट बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दरअसल नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी कि NPCI ऑटो-पे फीचर को इंटरऑपरेबल बनाने जा रहा है। इसका मतलब है कि अब आपके ऑटो पेमेंट किसी एक ऐप से बंधे नहीं रहेंगे और उसे दूसरे ऐप्स पर भी मैनेज किया जा सकेगा। इंटरऑपरेबिलिटी का मतलब है अलग-अलग UPI ऐप्स का आपस में बिना किसी रुकावट के डेटा शेयर करना। शुरुआत में QR कोड को सिर्फ उसी ऐप से स्कैन किया जा सकता, जो उसे जारी करता था लेकन बाद में सभी UPI ऐप्स के लिए उसे यूनिवर्सल बना दिया गया। इसी तरह नए बदलाव के बाद किसी भी UPI ऐप से एक्टिव मैंडेट्स को देख और मैनेज किया जा सकेगा। इसके अलावा उन्हें दूसरे ऐप में पोर्ट भी किया जा सकेगा।

आम यूजर के लिए क्या बदलेगा?: इस बदलाव के बाद यूजर्स किसी भी नए या पुराने UPI ऐप से अपने सभी एक्टिव मैंडेट्स, आने वाले डेबिट और पुराने सब्सक्रिप्शन को एक ही स्क्रीन पर ट्रैक कर सकेंगे। इसके बाद अगर यूजर मैंडेट्स को दूसरे ऐप में पोर्ट करता है, तो पेमेंट उसी खाते से कटेगी जिसे यूजर ने शुरुआत में ऑथराइज किया था। इसे आप यूं समझ सकते हैं कि आम यूजर के लिए सिर्फ मैंडेट को मैनेज करने वाला इंटरफेस बदलेगा, मूल बैंकिंग रूटिंग नहीं। इससे एक आम यूजर को ऐप बदलने पर सब्सक्रिप्शन या लोन रीपेमेंट को दोबारा रजिस्टर करने की जरूरत नहीं रहेगी।

वायरल कंटेंट

आसमान के सबसे करीब बसा एक गांव, मुश्किल हालात में भी मुस्कुराते हुए जीते हैं लोग!

हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी अपनी बर्फीली पहाड़ियों, ठंडे रेगिस्तान और बेहद ऊंचाई वाले गांवों के लिए दुनिया भर में जानी जाती है। इसी घाटी में स्थित कोमिक गांव इन दिनों एक वायरल व्लॉग की वजह से इंटरनेट पर चर्चा में है। यूट्यूबर के करीब चार महीने पुराने वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है। वीडियो में उन्होंने बेहद ऊंचाई पर बसे इस गांव की जिंदगी और वहां रहने वाले लोगों की रोजमर्रा की चुनौतियों को करीब से दिखाया है।

कोमिक में सर्दियों के दौरान तापमान बेहद नीचे चला जाता है। ऐसे मौसम में यहां के पारंपरिक घर स्थानीय जीवनशैली और परिस्थितियों के अनुसार बनाए जाते हैं। मोटी मिट्टी की दीवारें घर के अंदर तापमान बनाए रखने में मदद करती हैं। पेड़ों की कमी के कारण ईंधन जुटाना भी आसान नहीं है। इसलिए स्थानीय लोग पशुओं के गोबर को सुखाकर ईंधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। इससे खाना पकाने के साथ-साथ घर के अंदर गर्माहट बनाए रखने में भी मदद मिलती है। सर्दियों में पानी जमने की समस्या के कारण यहां जीवन की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी स्थानीय लोगों ने अपने तरीके विकसित किए हैं। ऊंचाई पर होने के बावजूद गांव में पानी की व्यवस्था प्रकृति पर ही काफी हद तक निर्भर है। आसपास के ग्लेशियर और प्राकृतिक जलस्रोत स्थानीय लोगों के लिए पानी का अहम जरिया है। खाने में यहां के लोग स्थानीय अनाज और डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं। जौ, घी, पनीर और दूसरे पारंपरिक खाद्य पदार्थ ठंडे मौसम में ऊर्जा देने वाले भोजन का हिस्सा हैं।

स्पीति घाटी का प्राकृतिक नजारा किसी दूसरे ग्रह की तस्वीर जैसा दिखाई देता है। दूर-दूर तक फैली बंजर पहाड़ियां, कम वनस्पति और चट्टानी संरचनाएं इसे बेहद अनोखा रूप देती हैं। पास के लांग्जा क्षेत्र में पाए जाने वाले समुद्री जीवों के जीवाश्म इस इलाके के बेहद पुराने भूगर्भीय इतिहास की ओर भी इशारा करते हैं। हिक्किम गांव का ऊंचाई पर स्थित डाकघर भी इस क्षेत्र की खास पहचान रहा है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद स्थानीय समुदायों ने यहां जीवन को अपनी जरूरतों के मुताबिक ढाल लिया है।

कोमिक की जिंदगी आसान नहीं है, लेकिन यहां के लोगों के बीच सहयोग की भावना इसे खास बनाती है। गांव में किसी परिवार के घर शादी या कोई दूसरा आयोजन हो, तो आसपास के लोग मिलकर काम संभालते हैं। यही इस ऊंचाई वाले गांव की सबसे खूबसूरत तस्वीर है। यहां मौसम कठोर है, संसाधन सीमित हैं और जिंदगी कई चुनौतियों से भरी है, लेकिन लोगों का आपसी सहयोग और प्रकृति के साथ तालमेल यह दिखाता है कि इंसान कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने लिए जीवन का रास्ता बना सकता है।

न्यूज विंडो

डॉ. एके जैन बने नागरिक सुरक्षा एवं कानूनी सेवाओं के जिला अध्यक्ष

गंजबासौदा। शहर के प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. एके जैन को नागरिक सुरक्षा एवं कानूनी सेवाएं संगठन का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के प्रदेश प्रभारी जीएस ठाकुर ने डॉ. जैन को नियुक्ति पत्र एवं परिचय पत्र प्रदान कर नई जिम्मेदारी सौंपी। प्रदेश प्रभारी जीएस ठाकुर ने बताया कि डॉ. जैन लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं रचनात्मक कार्यों से जुड़े हुए हैं। समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें संगठन का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. एके जैन वर्तमान में मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रदेश अध्यक्ष, न्याय एवं अधिकार समिति के राष्ट्रीय सदस्य, रक्षक फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक तथा आर्ची वीर्य अवार्ड काउंसिल दिल्ली के सदस्य सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। वे विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से समाजहित में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों शुभकामनाएं दीं।

पति पर पत्नी को बेचने का आरोप, बोली- दूसरी महिला के साथ मिलकर किया सौदा

गुना। जिले के हड्डीमिल जगनपुर चक क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। 25 वर्षीय विवाहिता ने अपने ही पति पर उसे किसी दूसरे व्यक्ति के हाथों बेच देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पति ने एक अन्य महिला के साथ मिलकर उसकी जिंदगी का सौदा कर दिया और उसे एक घर में बंधक बनाकर रखा गया। किसी तरह जान बचाकर भागी महिला सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार लगाई। एसपी को दी गई लिखित शिकायत में महिला ने आपबीती बताई। उसने बताया कि साल 2018 में अनीश शाह नामक युवक ने उसे बहला-फुसलाकर शादी की थी। शादी के बाद उनके तीन बच्चे हुए। कुछ साल तक सब ठीक चला, लेकिन बाद में पति का व्यवहार बदलने लगा। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति का जाफरीन बानो नामक महिला से नजदीकी संबंध हैं। दोनों ने मिलकर उसके खिलाफ साजिश रची। महिला का दावा है कि पति और जाफरीन ने मिलकर उसे आमीन पठान नामक व्यक्ति के पास बेच दिया। इसके बाद उसे एक मकान में बंद कर दिया गया। शिकायत के अनुसार बंधक बनाए जाने के दौरान महिला पर निगरानी रखी जाती थी। एक दिन मौका पाकर वह वहां से भागने में सफल रही। भागकर उसने अपनी जान बचाई और सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। महिला ने शिकायत में यह भी बताया कि उसके दो छोटे बच्चे अभी भी पति अनीश शाह के पास ही हैं। पति उसे बच्चों से मिलने भी नहीं दे रहा है। वह लगातार बच्चों को लेकर परेशान है और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित है।

अघोर परंपरा के नाम पर पाखंड फैलाने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग

उज्जैन। उज्जैन में सोशल मीडिया पर वायरल एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर अघोर आश्रम द्वारा निंदा की गई है। खुद अघोरी' बताने वाली एक महिला द्वारा श्मशान घाट पर अंतिम संस्करा मानव देह के साथ छेड़छाड़ और धारदार हथियार से क्रियाएं की जा रही है। अखाड़ा के पीठाधीश्वर राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़ेश्वरी अघोरी बाबा विष्णु नाथ ने मामले की शिकायत पुलिस से की है और सनातन व अघोर परंपरा के नाम पर पाखंड फैलाने वाले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

राहुल गांधी पर उत्तराखंड में दर्ज एफआईआर और खड़गे के अपमान का किया विरोध

इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उत्तराखंड में दर्ज एफआईआर और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अपमान के विरोध में कांग्रेसियों ने मोर्चा खोला है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी ने गांधी प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन कर महिलाओं के साथ मनु स्मृति का सांकेतिक दहन किया। दूसरी ओर देर रात कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी राजवाड़ा पर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस रात 10 बजे बाद तक धरना देते रहे।शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम के बाद उत्तराखंड के भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल को धोकर शुद्धीकरण किया।

गैस कटर का उपयोग कर काटा एटीएम लाखों रुपए चुराकर ले गए बदमाश

मंदसौर। चोरों ने गैस कटर का उपयोग कर एटीएम को काटा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यह घटना 30 अगस्त की देर रात करीब दो बजे की बताई जा रही हैं। जिले के भानपुरा रोड पर स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से चोरों ने साढ़े छह लाख रुपए चोरी कर की। चोरों ने सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने सबसे पहले एटीएम के शटर का ताला तोड़ा। इसके बाद अंदर घुसकर गैस कटर की मदद से एटीएम मशीन को काटकर उसमें रखे साढ़े छह लाख रुपए निकाल लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर एटीएम का शटर गिराकर मौके से फरार हो गए। बैंक अधिकारियों को इस चोरी की जानकारी तुरंत नहीं मिल पाई। बैंक अधिकारियों को तब पता चला जब एटीएम को दुरुस्त करने के लिए कंपनी की एक टीम मौके पर पहुंची और उसने एटीएम को क्षतिग्रस्त पाया। इसके बाद टीम ने बैंक अधिकारियों को सूचित किया। यह एक बड़ा सवाल है कि बैंक से लगे हुए एटीएम में इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद बैंक को तत्काल इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी और सुरक्षा व्यवस्था में चूक कैसे हुई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का मुआयना किया और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं।

छतरपुर में पति-पत्नी के बीच विवाद में पत्नी की मौत, पति घायल

'पत्नी बेवफा थी, बच्चे मेरे नहीं हैं...', आरोपी पति ने कागज पर लिखी अपनी बात

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के बंसिया थाना क्षेत्र के नेहरा ग्राम पंचायत अंतर्गत मोती पुरवा गांव में पत्नी के चरित्र को लेकर संदेह और पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। विवाद में महिला नहीं बच सकी और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला की पहचान मोती पुरवा निवासी सियाप्यारी के रूप में हुई है। वहीं, उसका पति राजा बाबू केवट (30 वर्ष) ग्वालियर के अस्पताल में भर्ती है जहां, उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका इलाज पुलिस की निगरानी में चल रहा है।

परिजन से मिली जानकारी के अनुसार, राजा बाबू की शादी करीब 13 साल पहले पन्ना जिले के मुहाना गांव निवासी सियाप्यारी के साथ हुई थी। रविवार को राजा बाबू अपनी ससुराल मुहाना गया था और पत्नी को विदा कराकर वापस अपने गांव मोती पुरवा लाया था। रविवार रात घर पर दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार इसी दौरान महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और बाद में उसकी स्थिति नहीं बच सकी। परिजनों के अनुसार इस घटना में पति भी गंभीर रूप से घायल मिला था। घर से आवाजें आने के बाद परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहां महिला और उसका पति गंभीर अवस्था में मिले। परिजनों ने घायल राजा बाबू को तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां से उसे छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद ग्वालियर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है, जहां पुलिस निगरानी में उसका उपचार जारी है।

आरोपी पति ने कागज पर लिखकर बताया अपना पक्ष

गर्दन में चोट के कारण राजा बाबू पुलिस से बातचीत नहीं कर पा रहा था। उसने पेन और कागज मांगकर लिखकर अपना पक्ष रखा। उसने अपनी पत्नी पर आरोप लगाते हुए लिखा - उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका थी। राजा बाबू ने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ भी संबंध थे। राजा बाबू ने लिखित बयान में आरोप लगाया कि- उनके तीन बच्चे उसके नहीं हैं, फिर भी वह उनका पालन-पोषण कर रहा था। आरोपी ने पत्नी पर उसके खिलाफ साजिश करने का भी आरोप लगाया। पुलिस ने उसके लिखित बयान को जांच का हिस्सा बनाया है और लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पड़ताल की जा रही है।

पुलिस कार्रवाई और जांच जारी

घटना की सूचना मिलते ही बंसिया थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटना स्थल से जरुरी शाक्ष्य जुटाए है। पुलिस ने परिजन और ग्रामीणों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में मामला पारिवारिक विवाद और चरित्र संदेह से जुड़ा नजर आ रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि आरोपी द्वारा कागज पर लिखे गए आरोपों की सत्यता और वारदात के अन्य सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है। एएसपी आदित्य पटले ने बताया कि दंपति लेबर के रूप में देहरादून में काम करते थे। इनका पारिवारिक विवाद था। मामला पंजीबद्ध कर लिया है। जांच की जा रही है।

गिरधर पब्लिक स्कूल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन

छात्र प्रतिनिधियों को ईमानदारी, अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए: पाटीदार

छात्र परिषद के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संभाली जिम्मेदारी

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

शहर मे गिरधर पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद के गठन के अवसर पर इन्वेस्टिचर सेरेमनी का भव्य आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न नेतृत्वकारी एवं जिम्मेदारीपूर्ण पदों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हेड बॉय, हेड गर्ल, वाइस हेड, स्पोर्ट्स हेड सहित विभिन्न पदों पर चयनित छात्र-छात्राओं को बैज एवं सैश प्रदान कर उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। विद्यालय परिवार ने सभी नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को ईमानदारी, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं।अंत में सभी नव-निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष रघुनाथ पाटीदार ,सचिव अरविंद पाटीदार ,प्रबंध संचालक नीलेश पाण्डेय, प्राचार्य अनुराग मसीह, उप प्राचार्य सरिता हजारे ,रामशंकर ठाकुर, शिल्पी जैन सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र बड़ी संख्या में मौजूद थे

अशोकनगर में दो बाइक की आमने-सामने भिड़ंत, चार लोगों की हुई मौत

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

जिले में बीती शाम दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। आरोन रोड पर तौकली गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, खैजरा खुर्द निवासी 35 वर्षीय शिवराज अपनी पत्नी धनकुबेर और सात वर्षीय बेटे कल्ला के साथ बाइक से जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक तौकली गांव के पास पहुंची, सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिवराज, उनकी पत्नी धनकुबेर और सात वर्षीय बेटे कल्ला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दूसरी बाइक पर 52 वर्षीय बालवीर अहिरवार, उनकी पत्नी गुड्डी बाई और दामाद संतोष सवार थे। हादसे में बालवीर अहिरवार की भी मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी गुड्डी बाई और दामाद संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं चारों शवों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एक ही हादसे में चार लोगों की मौत की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। खासतौर पर शिवराज के परिवार में पति-पत्नी और मासूम बेटे की एक साथ मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और सड़क हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह दोनों बाइकों की आमने-सामने की टक्कर बताई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि दुर्घटना तेज रफ्तार के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

सुपारी के टुकड़े ने रोकी 8 माह की चाहत की सांसें

विदिशा के डॉक्टरों ने बचा ली जिंदगी

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले में सांस की नली में बाहरी चीज फंसने से जिंदगी और मौत से जूझ रहे दो मासूम बच्चों को शासकीय मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने नया जीवन दिया है। नटेरन की 8 माह की चाहत की सांस नली में सुपारी का टुकड़ा और ग्यारसपुर के 2 साल के सत्यम लोधी की सांस नली में मूंगफली का दाना फंस गया था। दोनों बच्चों की सांसे रुकने लगीं। चाहत और सत्यम को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज के पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में भर्ती कराया गया, जहां ईएनटी विशेषज्ञों ने एयरवे मैनेजमेंट और रिजिड ब्रोंकोस्कोपी के जरिए सफल उपचार कर उनकी जान बचा ली। मेडिकल कॉलेज के इएनटी विभाग के डॉक्टरों ने ये कमाल दिखाया। बेहद गंभीर अवस्था में भर्ती बच्चों का डॉ. शिव कुमार रघुवंशी, डॉ. आदित्य गार्गव, डॉ. प्रियंका वर्मा, डॉ. शोभित यादव ने ऑपरेशन किया। पहला मामला नटेरन तहसील के ग्राम सिरसी का है। कन्हैयालाल की 8 माह की बेटी चाहत ने 21 अगस्त को खेलते समय सुपारी का दाना निगल लिया। मां द्वारा दूध पिलाते समय उसे तेज ठसका लगा। घबराए परिजन उसे पहले नटेरन और फिर जिला अस्पताल ले गए, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज के पीआईसीयू में रेफर किया गया। बच्ची को शुरुआत में हाई फ्लो नेजल कैनुला (एचएफएनसी) पर रखा गया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

वार्ड 1 के रहवासियों ने मूलभूत सुविधाओं को लेकर नगरपालिका का किया घेराव

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर वार्ड नंबर 1 के रहवासियों का गुस्सा आज फूट पड़ा। पानी, जर्जर सड़कों, साफ-सफाई बुनियादी समस्याओं से परेशान नागरिक आज सड़कों पर उतर आए।इस दौरान नगर प्रशासन और भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा के खिलाफ मुर्दाबाद के नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों ने नगरपालिका का मुख्य चैनल गेट बंद कर धरना दिया रैली दीप नगर से शुरू होकर शनिवार बाजार मंगल बाजार, खेल मैदान होते हुए नगरपालिका कार्यालय पहुंची।

रहवासियों ने वार्ड में सड़क, नाली, सीवेज और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ नर्मदा जल की आपूर्ति शुरू करने तथा अवैध कॉलोनियों को वैध कराने की मांग उठाई प्रदर्शनकारियों का कहना था कि करीब 15 दिन पहले भी उन्होंने मूलभूत सुविधाओं को लेकर नगरपालिका में ज्ञापन दिया था, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। कांग्रेस नेता राममणि द्विवेदी ने कहा कि यदि वार्ड की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो इससे बड़ा आंदोलन किया जाएगा। रैली में प्रमुख रूप से यूथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार ,कांग्रेस नेता कपिल पाल,संजय राजपूत सहित बड़ी संख्या में रहवासी मौजूद रहे। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि नगर के हर वार्ड में विकास कार्यों को लेकर टेंडर प्रक्रिया जारी है। जिन कार्यों के टेंडर खुल चुके हैं, उन पर काम कराया जा रहा है। जो कार्य अभी शेष हैं, उनके भी जल्द टेंडर खोले जाएंगे। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद वार्ड में विकास कार्यों को तेजी से कराया जाएगा।

मेट्रो एंकर

मेडिकल रिपोर्ट में हार्ट अटैक को मृत्यु का कारण बताते हुए मौत प्राकृतिक बताई गई

चेक बाउंस मामले में सजा काट रही महिला की मौत, इलाज के दौरान गई जान

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिला जेल में बंद 64 वर्षीय महिला की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला चेक बाउंस के एक मामले में एक साल की सजा काट रही थी। सुबह अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां से गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी।

जानकारी के मुताबिक, जिला जेल में बंदी पुष्पा बघेल की सोमवार सुबह करीब 9-35 बजे तबीयत अचानक खराब हो गई। उन्हें बीपी लो होने की शिकायत थी। स्थिति को देखते हुए जेल प्रशासन ने बिना देरी किए महिला को जेल गार्ड के साथ जिला चिकित्सालय भेजा। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उनका उपचार शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें मेडिकल कॉलेज शहडोल भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने के बाद महिला को आईसीयू में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा था। इसी दौरान उनकी हालत और बिगड़ गई। दोपहर करीब 12:37 बजे उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज की ओर से जारी मृत्यु प्रमाणपत्र में महिला की उम्र 64 वर्ष दर्ज है। इसमें मृत्यु के कारणों में Acute Anterolateral MI सहित हृदय से जुड़ी अन्य चिकित्सकीय स्थितियों का उल्लेख किया गया है। प्रमाणपत्र में मृत्यु का तरीका प्राकृतिक बताया गया है।

14 जुलाई को जेल भेजी गई थीं

दस्तावेजों के अनुसार, पुष्पा बघेल को चेक बाउंस से जुड़े मामले में न्यायालय ने 28 मार्च 2025 को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत एक वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी। मामले में प्रतिकर और अन्य देयताओं की राशि 8 लाख 79 हजार 650 रुपये दर्ज थी। महिला ने सजा के खिलाफ अपील भी की थी। अपील क्रमांक 61/25 को तृतीय अपर सत्र न्यायालय, शहडोल ने निरस्त कर दिया था। इसके बाद 14 जुलाई 2026 को उसे जिला जेल शहडोल में सजा भुगतने के लिए दाखिल कराया गया था। करीब डेढ़ महीने बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई।जेल अधीक्षक भास्कर पांडे के अनुसार महिला की तबीयत बिगड़ते ही उसे पहले जिला अस्पताल भेजा गया था। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान डॉक्टरों ने दोबारा अटैक आने की जानकारी दी। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई है।

मंगला एक्सप्रेस फूड पॉइजनिंग केस में पेंट्रीकार संचालक पर लगा 5 लाख जुर्माना

खंडवा । दोपहर मेट्रो

मंगला एक्सप्रेस में त्रिचूर के हैप्पी कॉन्वेंट स्कूल के 30 बच्चों को फूड पॉइजनिंग होने के बाद रेलवे ने बड़ी कार्रवाई की है। IRCTC ने पेंट्रीकार संचालक पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, सील होने के बाद भी खंडवा रेलवे स्टेशन पर अवैध रूप से खाना बेचते 8 वेंडर भी पकड़े गए हैं। मंगला एक्सप्रेस में सफर कर रहे बच्चों के साथ हुई फूड पॉइजनिंग की घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। आईआरसीटीसी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रेन के पेंट्रीकार संचालक पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इस मामले में रेलवे द्वारा अभी जांच की जा रही है(यह पूरी घटना शुक्रवार रात की है। मंगला एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे करीब 30 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। ये सभी बच्चे त्रिचूर के हैप्पी कॉन्वेंट स्कूल के थे। बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर ट्रेन को तत्काल खंडवा रेलवे स्टेशन पर रोका गया। वहां ट्रेन लगभग 50 मिनट तक रुकी रही, जहां डॉक्टरों की टीम ने बीमार बच्चों का उपचार किया।

जांच के लिए भेजे गए खाने के सैंपल

फूल पॉइजनिंग की इस घटना को गंभीरता से लेते हुए रेलवे ने जांच शुरू कर दी। भुसावल मंडल से भोजन और अन्य खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए हैं। इन सैंपलों को परीक्षण के लिए अधिकृत प्रयोगशाला (लैब) में भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद पेंट्रीकार संचालक के खिलाफ आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सील होने के बाद भी स्टेशन पर अवैध वेंडिंग

इस घटना के बाद खंडवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर स्थित फूड प्लाजा की जांच की गई थी। जांच में कई खामियां मिलने के बाद फूड प्लाजा को 3 दिनों के लिए सील कर दिया गया था। इसके बावजूद, फूड प्लाजा के वेंडर अवैध रूप से स्टेशन पर खाद्य सामग्री बेच रहे थे। रेलवे सुरक्षा बल ने बिना अनुमति के खाना बेचते हुए 8 वेंडर्स को पकड़ा है। वेंडर्स की यह अवैध गतिविधि स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी दर्ज हुई थी। आरपीएफ ने इन सभी 8 वेंडर्स पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें वहां से हटा दिया।

न्यूज विंडो

राऊ-खलघाट फोरलेन पर प्याज से भरे ट्राले में लगी आग

धार। राऊ-खलघाट फोरलेन स्थित गणपति घाट पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा होते-होते टल गया। धामनोद की ओर से इंदौर की तरफ जा रहे प्याज से भरे एक ट्राले के केबिन में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग की चपेट में आने से ट्राले का केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। ट्रक प्याज भरकर हरियाणा की और जा रहा था इसी दौरान गणपति घाट पर अचानक उसमें आग लग गई। आग लगने का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्राला चोपड़ा से लाखों रुपए की कीमत का प्याज भरकर गुरुग्राम (हरियाणा) की ओर जा रहा था। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे जब वाहन गणपति घाट चढ़ रहा था, तभी अचानक केबिन से धुआं निकलने लगा। चालक अनवर खान ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी रोकी, जिसके कुछ ही देर में आग ने पूरे केबिन को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही धामनोद और मांडव से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दमकल विभाग की तत्परता के चलते ट्राले के पीछे लदे लाखों रुपए के प्याज को जलने से बचा लिया गया। व्यस्त फोरलेन पर हादसे के बाद ट्रैफिक बाधित न हो, इसके लिए धामनोद पुलिस की डायल-112 टीम तुरंत मौके पर तैनात हुई। एफआरवी-20 के पायलट दीपक निगवाल व आरक्षक इंद्रपाल लोधी तथा एफआरवी-21 के पायलट लखन वर्मा व आरक्षक वीरेंद्र निमाड़ी ने मुस्तैदी दिखाते हुए यातायात को सुचारू रूप से संचालित कराया, जिससे घाट पर वाहनों का लंबा जाम लगने से बच गया।

2 लाख के सोने के जेवर से भरा पर्स कोतवाली पुलिस ने लौटाया

धार। कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड पर गुम हुआ 2 लाख के सोने के जेवरात से भरा पर्स सकुशल ढूंढकर फरियादिया को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, चालनी निवासी एवं हाल मुकाम पीथमपुर निवासी अलका पटेलिया अमझेरा से पीथमपुर जाने के लिए धार बस स्टैंड पहुंची थी। पीथमपुर जाने वाली बस में बैठते समय उसका पर्स अचानक कहीं गिर गया। पर्स में करीब डेढ़ तोला सोने की झुमकी रखी थी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए थी। पर्स गुम होने की सूचना फरियादिया ने तत्काल कोतवाली थाना धार में दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम तुरंत हरकत में आई। पुलिस टीम ने बस स्टैंड और आसपास के क्षेत्र में पहुंचकर पड़ताल शुरू की। इलाके में लगे दर्जनभर से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। कड़ी मशक्कत और बारीकी से की गई जांच के आधार पर पुलिस ने पर्स को सुरक्षित बरामद कर लिया। बरामद पर्स को उसमें रखे कीमती सोने के जेवरात सहित विधिवत फरियादिया अलका पटेलिया के सुपुर्द कर दिया गया। अपना कीमती सामान वापस पाकर फरियादिया ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व आरटीओ इंस्पेक्टर सेवाराम को जेल

उज्जैन। आय से अधिक संपत्ति के 15 साल पुराने मामले में उज्जैन की विशेष भ्रष्टाचार निवारण अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तत्कालीन परिवहन निरीक्षक सेवाराम खांडेकर को दोषी ठहराते हुए चार साल के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें एक वर्ष की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। फैसले के तुरंत बाद आरोपी को केंद्रीय भैरवगढ़ जेल भेज दिया गया। लोकायुक्त की टीम ने 11 नवंबर 2011 को सेवाराम के अलकनंदा नगर (उज्जैन) स्थित मकान पर छापा मारा था, जहां से भारी मात्रा में नकदी, जेवरात और ऐशो-आराम का सामान मिला था। जांच में सामने आया कि सेवाराम की वैध आय केवल 27.37 लाख होनी चाहिए थी, लेकिन उनके पास 1.84 करोड़ से अधिक की संपत्ति और खर्च पाया गया, जो उनकी ज्ञात आय से 572% अधिक था। लोकायुक्त पुलिस ने जांच के बाद 30 अगस्त 2014 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। लगभग 12 साल चले ट्रायल के बाद कोर्ट ने यह अंतिम फैसला सुनाया। लोकायुक्त संगठन की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनोज पाठक और डीडीपी संजय मीणा ने प्रभावी ढंग से पक्ष रखा।

आजादी के 80 साल.. आज भी पक्की सड़क का इंतजार

हालत इतने खराब गांव तक नहीं पहुंच पा रही एंबुलेंस

पन्ना। दोपहर मेट्रो

जिले के मडैयन नयापुरा गांव की तस्वीर विकास के दावों को आईना दिखा रही है। आजादी के बाद से गांव तक पक्की सड़क नहीं पहुंच सकी है. बारिश के दिनों में करीब पांच किलोमीटर का मुख्य मार्ग कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गया है. गांव में जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से जगह-जगह जलभराव और गंदगी है। स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है तो खराब रास्ते के कारण एंबुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच पा रही. ग्रामीण अब सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं।

पन्ना जिले की ग्राम पंचायत इटवा कला के मडैयन नयापुरा गांव में विकास की हकीकत बारिश के साथ सामने आ गई है। करीब तीन हजार से ज्यादा आबादी और 1800 मतदाताओं वाले इस गांव में आजादी के बाद से अब तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है। गांव तक पहुंचने वाला करीब पांच किलोमीटर का मुख्य मार्ग बारिश के बाद दलदल और कीचड़ में तब्दील हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि हर चुनाव में नेता गांव तक सड़क पहुंचाने का भरोसा दिलाते हैं. पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव तक ग्रामीण मतदान कर विकास की उम्मीद लगाते हैं. लेकिन साल दर साल गुजरने के बावजूद सड़क का इंतजार खत्म नहीं हुआ। खराब रास्ते का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों और मरीजों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक एंबुलेंस चालक भी खराब रास्ते के कारण गांव तक आने से बचते हैं। गांव के अंदर जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से जगह-जगह पानी जमा है। कीचड़ और गंदगी के बीच मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और ग्रामीणों को बीमारियों का खतरा सता रहा है। हालांकि, हाल ही में मुख्यमंत्री के मंच से विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने मडैयन नयापुरा की सड़क बनवाने की बात कही है। अब ग्रामीणों को इंतजार है कि यह आश्वासन कब जमीन पर उतरता है।

बुरहानपुर की बेटी बनी एक दिन की थाना प्रभारी! बोली- करूंगी देश सेवा

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में बच्चों के अंदर भी अपने सपनों को पूरा करने का जज्बा देखने को मिल रहा है। बहादरपुर की रहने वाली कक्षा तीसरी की छात्रा दीपांशी लोंढे का सपना बड़ा होकर पुलिस अधिकारी बनने का है। अपने इसी सपने को लेकर दीपांशी जब थाने पहुंची तो उसके लिए यह दिन बेहद खास बन गया। थाने पहुंचने पर दीपांशी ने पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से देखा थाना प्रभारी और पुलिस स्टाफ ने भी बच्ची की रुचि और उत्साह को देखते हुए उसका हौसला बढ़ाया। थाना प्रभारी ने दीपांशी को अपनी कुर्सी पर बैठाकर एक दिन का थाना प्रभारी बनाया। पुलिस अधिकारी की कुर्सी पर बैठते ही दीपांशी के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई।

पिता विनोद लोंढे ने लोकल 18 से बताया कि एक दिन की थाना प्रभारी बनने के बाद दीपांशी ने पुलिस अधिकारियों से थाने में होने वाले कामकाज और लोगों की शिकायतों के निराकरण के बारे में जानकारी ली। बच्ची ने पुलिस अधिकारी बनने की अपनी इच्छा और समाज व देश की सेवा करने की बात कही। उसकी बातें सुनकर थाना प्रभारी और पुलिस स्टाफ भी काफी प्रभावित हुए। दीपांशी ने बताया कि वह बड़ी होकर पुलिस अधिकारी बनना चाहती है। वह जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहती है। देश की सेवा करना उसका सपना है। छोटी सी उम्र में पुलिस की कार्यप्रणाली को समझने और अधिकारी बनने की इच्छा ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

पुलिस विभाग में सर्जरी, 9 चौकियों के प्रभारी बदले

कोतवाली को मिले पांच एसआई, भूपेंद्र खरतिया को साइबर की जिम्मेदारी

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस विभाग में बडी प्रशासनिक सर्जरी हुई हैं, एसपी सचिन शर्मा ने जिले की 9 चौकियों के प्रभारियों में बदलाव किया है। इसमें से कुछ अधिकारी लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे थे, ऐसे में उन्?हें चौकियों से हटाकर थाने पर अटैच किया गया तथा इनके स्थान पर नए अधिकारियों को चौकियों की कमान सौंपी गई है। अधिकारियों की पदस्थापना में कोतवाली का विशेष रुप से ध्यान रखा गया हैं, शहर में गंभीर मामलों की विवेचना के लिए एसआई स्तर के अधिकारियों की कमी थी। एसपी शर्मा ने मामले में संज्ञान लेते हुए कोतवाली को पांच सब इंस्पेक्टर दिए है। उनि भूपेंद्र खरतिया को साइबर क्राइम ब्रांच की बडी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उनि सुशील यदुवंशी को चौकी सिंघाना से हटाकर चौकी दोत्रिया, नवलसिंह बघेल को सरदारपुर से हटाकर चौकी प्रभारी डेहरी, प्रशांत पाल को बाकानेर से हटाकर थाना मनावर, मनोज पाटीदार को मनावर से हटाकर चौकी बाकानेर, बालकृष्ण मिश्रा को कानवन से हटाकर चौकी घाटाबिल्लोद, विनय परमार को गंधवानी से हटाकर सेक्टर एक पीथमपुर, रवि वास्कले को रक्षित केंद्र धार से हटाकर थाना धरमपुरी, अतुल जोशी को धरमपुरी से हटाकर कोतवाली, हिना जोशी को चौकी दोत्रिया से हटाकर थाना सेक्टर एक, जगदीश चौहान को रक्षित केंद्र धार से हटाकर थाना कोतवाली, जयपाल बिल्लौरे को नालछा से हटाकर चौकी निसरपुर, मनीष चौधरी को मनावर से हटाकर चौकी जीराबाद, अनुपसिंह बघेल को कुक्षी से हटकर चौकी प्रभारी सिंघाना, अश्विन चौहान को चौकी उमरबन से हटाकर थाना कुक्षी, प्रकाश अलावा को कुक्षी से हटाकर चौकी उमरबन, जितेंद्र नरवरिया को चौकी रिंगनोद, प्रेमसिंह हटिला को रक्षित केंद्र धार से कोतवाली थाना, गिरदार बघेल को मनावर से हटाकर थाना कुक्षी, नरबदसिंह ठाकुर को अमझेरा से हटाकर थाना कोतवाली, राजेंद्र सिंह ठाकुर को महिला थाने से हटाकर पीथमपुर भेजा गया है। साथ ही आठ एएसआई की पदस्थापना में भी बदलाव किया गया है।

बॉयकट हेयर और बाहर नौकरी करने से नाराज पिता ने बेटी का गला दबाकर मार डाला, चाचा भी बना आरोपी

डबरा। दोपहर मेट्रो

डबरा के पिछोर थाना क्षेत्र में कथित ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पिता और चाचा पर अपनी ही 21 वर्षीय बेटी की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। आरोप है कि युवती के बॉयकट हेयर रखने और घर से बाहर नौकरी करने से नाराज पिता ने अपने भाई के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चाचा की तलाश जारी है। घटना पिछोर थाना क्षेत्र के ग्राम पथरियापुरा की है। मृतका की पहचान अनु उर्फ नंदनी यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर घर में विवाद के बाद आरोपी पिता भगवान सिंह यादव और उसके भाई संतोष यादव ने पहले परिवार की 17 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ मारपीट की और कथित तौर पर उसका गला दबाने का प्रयास किया। मां के हस्तक्षेप के बाद बच्ची को बचाया जा सका। इसके बाद आरोपी दूसरे घर में पहुंचे, जहां 21 वर्षीय अनु मौजूद थी। आरोप है कि दोनों ने पहले उसके साथ मौजूद मुंहबोले भाई मनमोहन पांडे के साथ मारपीट की और फिर अनु पर हमला कर दिया। युवती के साथ बेरहमी से मारपीट करने के बाद कथित तौर पर उसका गला दबाकर हत्या कर दी गई।

बताया जा रहा है कि अनु उर्फ नंदनी कर्नाटक के विजयपुर स्थित एक मॉल में नौकरी करती थी और उसका रहन-सहन आरोपियों को पसंद नहीं था। वह बॉयकट हेयर रखती थी और लड़कों जैसे पहनावे व जीवनशैली में रहती थी। रक्षाबंधन के मौके पर घर आने के बाद परिवार में विवाद बढ़ गया और कथित तौर पर यही विवाद उसकी हत्या की वजह बन गया। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। मां की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पिछोर थाना प्रभारी शिवम सिंह राजावत की टीम ने गांव के बाहर से मुख्य आरोपी पिता भगवान सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया है। एसडीओपी सौरभ कुमार के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह ऑनर किलिंग का मामला है।

मेट्रो एंकर पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) ने मदीना भवन पहुंचकर संग्रहालय स्थल का किया निरीक्षण

उस्ताद अलाउद्दीन खां की विरासत को समेटने वाला म्यूजियम बनेगा

मैहर। दोपहर मेट्रो

संगीत सम्राट बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खां की समृद्ध संगीत विरासत को संरक्षित करने और उसे देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने की दिशा में मैहर में एक महत्वपूर्ण पहल की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) शिव शेखर शुक्ला ने मदीना भवन पहुंचकर प्रस्तावित संग्रहालय स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसीएस ने बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खां से जुड़ी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को देखा। उन्होंने बाबा द्वारा तैयार किए गए प्रसिद्ध मैहर बैंड, नल तरंग, विभिन्न वाद्य यंत्रों और उनसे जुड़ी अन्य सामग्री के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों के मुताबिक इन्हीं ऐतिहासिक धरोहरों को केंद्र में रखकर मैहर में एक आधुनिक और भव्य संग्रहालय विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है। निरीक्षण के दौरान शिव शेखर शुक्ला ने संग्रहालय के विकास, भवन के पुनरुद्धार और धरोहरों के संरक्षण को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने प्रस्तावित म्यूजियम को पर्यटकों के लिए आकर्षक और जानकारीपरक बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी, एसडीएम दिव्या पाटिल, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, समाजसेवी डॉ. कैलाश जैन, मदीना भवन के ट्रस्टी सहित अन्य अधिकारी एवं लोग मौजूद रहे। मदीना भवन पहुंचने पर अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खां की मजार पर मत्था टेका और अकीदत के फूल अर्पित किए।

म्यूजियम के साथ बनेगा पर्यटन सर्किट

कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी के मुताबिक वर्तमान में मैहर आने वाले बड़ी संख्या में पर्यटक मां शारदा मंदिर के दर्शन के बाद वापस लौट जाते हैं। ऐसे में प्रशासन की योजना बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खां के प्रस्तावित संग्रहालय को मुकुंदपुर और मार्कंडेय आश्रम जैसे पर्यटन स्थलों से जोड़कर एक व्यापक पर्यटन सर्किट विकसित करने की है। इस पर्यटन सर्किट के जरिए पर्यटकों को मैहर और आसपास के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों की जानकारी एक साथ मिल सकेगी। प्रशासन का मानना है कि इससे मैहर में पर्यटकों का ठहराव बढ़ेगा, स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को गति मिलेगी और होटल, परिवहन, खान-पान सहित अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खां की संगीत साधना और मैहर की सांस्कृतिक पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में प्रस्तावित म्यूजियम को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गोल, रिकॉर्ड और ट्रॉफियों के पीछे छिपी है महान फुटबॉलर की भावुक कहानी

नानी का भरोसा, पिता का साथ और छोटे कद का लड़का, ऐसे बने महान मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी

लियोनल मेसी को दुनिया उनके गोल, ड्रिब्लिंग, रिकॉर्ड और ट्रॉफियों के लिए जानती है। 2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप जिताने वाले मेसी अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से भी विदा ले चुके हैं। 31 अगस्त 2026 को उन्होंने अर्जेंटीना के साथ अपने ऐतिहासिक सफर को खत्म करने का एलान किया, लेकिन मेसी की कहानी सिर्फ मैदान पर किए गए कमाल तक सीमित नहीं है। उनके बचपन, परिवार, दोस्तों और शुरुआती करियर से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जो बताते हैं कि दुनिया का महानतम फुटबॉलर बनने से पहले मेसी एक बेहद शांत, शर्मीला और परिवार से गहराई से जुड़ा बच्चा था।

मेसी के गोल सेलिब्रेशन की सबसे पहचान वाली तस्वीर है, दोनों हाथों की अंगुलियां आसमान की तरफ उठाना। दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसक इस इशारे को देख चुके हैं, लेकिन इसके पीछे की कहानी शायद हर कोई नहीं जानता। यह इशारा उनकी नानी सेलिया ओलिवेरा कुक्कितिनी की याद में है। मेसी के फुटबॉल करियर की शुरुआती राह में सेलिया की भूमिका बेहद खास थी। जब वह छोटे थे, तब वह उन्हें स्थानीय क्लब ग्रांडोली के मैदान तक लेकर जाती थीं। उस समय मेसी अपनी उम्र के दूसरे बच्चों की तुलना में काफी छोटे थे और शुरुआती दौर में उनके आकार को लेकर सवाल उठते थे, लेकिन सेलिया को अपने नाती की प्रतिभा पर पूरा भरोसा था।

रिपोर्टों के मुताबिक, सेलिया ही वह शख्स थीं जिन्होंने छोटे मेसी को मैदान पर मौका दिलाने के लिए जोर दिया था। बाद में जब उनका निधन हुआ, तब मेसी सिर्फ करीब 10 साल के थे। यही कारण है कि उनके गोल के बाद आसमान की ओर उठती अंगुलियां सिर्फ एक सेलिब्रेशन नहीं, बल्कि बचपन के उस रिश्ते को याद करने का तरीका हैं। मेसी की महानता के पीछे जिस शख्स का शुरुआती दौर में सबसे बड़ा भावनात्मक असर रहा, वह उनकी नानी थीं।

ला मासिया में साथी खिलाड़ी समझते थे कि मेसी बोल नहीं सकते!

आज मैदान पर मेसी की मौजूदगी ही काफी होती है। लेकिन कभी ऐसा भी समय था जब वह इतने शांत रहते थे कि उनके साथी खिलाड़ी उन्हें लेकर एक अजीब धारणा बना बैठे थे। 13 साल की उम्र में मेसी अर्जेंटीना के रोसारियो से बार्सिलोना की मशहूर ला मासिया अकादमी पहुंचे। नया देश, नई भाषा, नया माहौल और परिवार से दूरी, इन सबने उन्हें बेहद संकोची बना दिया था। मेसी के बचपन के साथी और बाद में दुनिया के बड़े खिलाड़ियों में शामिल हुए सेस्क फाब्रेगास ने वर्षों बाद बताया कि ला मासिया में शुरुआती दिनों में साथी खिलाड़ियों को लगता था कि मेसी शायद बोलते ही नहीं हैं। मेसी ने खुद भी इस किस्से का जिक्र किया था। दिलचस्प बात यह थी कि ड्रेसिंग रूम में जितना शांत यह लड़का था, मैदान पर गेंद मिलते ही उतना ही खतरनाक हो जाता था। जेरार्ड पिके और फाब्रेगास जैसे खिलाड़ी उसी युवा टीम का हिस्सा थे। वहां मेसी की पहचान धीरे-धीरे उनकी आवाज से नहीं, बल्कि उनके पैरों से बनने लगी। यानी जिस खिलाड़ी को साथी मौन समझते थे, कुछ ही समय बाद वही गेंद के साथ सबसे ज्यादा बोलने लगा।

मेसी के करियर में पिता जॉर्ज की भूमिका कितनी बड़ी

मेसी की कहानी में उनके पिता जॉर्ज मेसी का नाम शुरुआत से जुड़ा रहा है। जॉर्ज सिर्फ उनके पिता नहीं थे, बल्कि लंबे समय तक उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण सलाहकार और प्रतिनिधि भी रहे। जब मेसी छोटे थे और उनके सामने ग्रोथ हार्मोन की कमी से जुड़ी चुनौती आई, तब परिवार के सामने महंगे इलाज का सवाल था। यही वह समय था जब मेसी के फुटबॉल भविष्य को लेकर कई अनिश्चितताएं थीं। जॉर्ज ने बेटे के करियर को आगे बढ़ाने के लिए लगातार रास्ते तलाशे। उन्होंने मेसी के खेल के वीडियो तैयार करवाए और उन्हें अलग-अलग क्लबों तक पहुंचाया। बाद में 2000 में मेसी के बार्सिलोना जाने पर जॉर्ज उनके साथ स्पेन पहुंचे। एक किशोर के लिए दूसरे देश में नई जिंदगी शुरू करना आसान नहीं था, लेकिन जॉर्ज उनके साथ रहे। आठ अगस्त 2026 को जॉर्ज मेसी का 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन के बाद अर्जेंटीना फुटबॉल और बार्सिलोना समेत पूरी फुटबॉल दुनिया ने श्रद्धांजलि दी। और यह भी दिलचस्प है कि मेसी ने अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास का संदेश विश्व कप फाइनल के दो दिन बाद, 21 जुलाई को ही लिख लिया था।

आर्सेनल भी मेसी को अपनी टीम में चाहता था

आज यह कल्पना करना मुश्किल है कि मेसी बार्सिलोना के अलावा किसी और क्लब की जर्सी में नजर आ सकते थे। लेकिन उनके शुरुआती करियर में आर्सेनल ने उन्हें साइन करने की कोशिश की थी। आर्सेन वेंगर के नेतृत्व वाला आर्सेनल उस समय युवा प्रतिभाओं पर खास नजर रखता था। मेसी बार्सिलोना की ला मासिया में तेजी से अपनी पहचान बना रहे थे और आर्सेनल उन्हें इंग्लैंड लाने में दिलचस्पी रखता था। वेंगर ने बाद में खुद बताया था कि आर्सेनल ने मेसी को हासिल करने की कोशिश की थी। उस समय मेसी की उम्र करीब 15-16 साल थी। हालांकि यह डील आगे नहीं बढ़ सकी और वह बार्सिलोना में ही बने रहे। आर्सेनल के साथ जाने का मतलब होता एक बिल्कुल अलग करियर। लेकिन मेसी ने बार्सिलोना में रहकर वह इतिहास रचा, जिसने उन्हें क्लब के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया।

टीम के लिए जी जान लगा देते हैं वैभव सूर्यवंशी

शतक की परवाह नहीं, सात महीने में नौ बार नर्वस 90 के शिकार हुए

बेंगुलुरु , एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से रन तो लगातार निकल रहे हैं, लेकिन शतक उनसे जैसे रूठा हुआ है। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए 15 साल के वैभव एक बार फिर शतक से चूक गए। सेंट्रल जोन के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 81 गेंद में 92 रन की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन छह रन और बनाते तो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा कर लेते। यह पिछले नौ महीनों में सातवां मौका है, जब वैभव नर्वस-90ह्य में आउट हुए हैं। इनमें ज्यादातर मौकों पर उन्होंने आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवाया है। यह दिखाता है कि वह टीम के लिए जी जान लगा देते हैं और पर्सनल इंटरेस्ट या माइलस्टोन को बीच में नहीं आने देते। सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए थे। इसके जवाब में ईस्ट जोन को वैभव और अभिमन्यु ईश्वरन ने तेज शुरुआत दिलाई। वैभव ने 42 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ उन्होंने दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में 50 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कब-कब 90s में आउट हुए वैभव?

वैभव के पिछले सात 90ह्य के स्कोर पर नजर डालें तो इनमें रणजी ट्रॉफी, आईपीएल, श्रीलंका ए और अब दलीप ट्रॉफी शामिल हैं।

स्कोर	खिलाफ	टूर्नामेंट	साल
93	मेघालय	रणजी ट्रॉफी	4 नवंबर 2025
96	स्कॉटलैंड अंडर-19	अंडर-19 विश्वकप	10 जनवरी 2026
93	लखनऊ सुपर जाएंट्स	आईपीएल	19 मई 2026
97	सनराइजर्स हैदराबाद	आईपीएल	27 मई 2026
96	गुजरात टाइटंस	आईपीएल	29 मई 2026
94	श्रीलंका ए	त्रिकोणीय सीरीज	21 जून 2026
92	सेंट्रल जोन	दलीप ट्रॉफी	31 अगस्त 2026

92 रन पर फिर आक्रामक शॉट खेलकर गंवाया विकेट

वैभव ने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के लगाए। वह शुरुआत से ही सेंट्रल जोन के गेंदबाजों पर दबाव बनाते रहे। हालांकि, 92 रन के स्कोर पर हर्ष दुबे की गेंद को छक्के के लिए भेजने की कोशिश में वह आउट हो गए। वैभव की यह आदत नई नहीं है। 90 के दशक में पहुंचने के बाद भी वह अपना आक्रामक अंदाज नहीं छोड़ते। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों में कई बार वह शतक से कुछ रन पहले अपना विकेट गंवा चुके हैं। मेघालय के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में वैभव एलबीडब्ल्यू हुए थे, लेकिन बाकी ज्यादातर मौकों पर उन्होंने आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में विकेट गंवाया। श्रीलंका ए के खिलाफ वह मिड-ऑफ पर कैच आउट हुए थे। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ लॉन्ग-ऑन, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ डीप थर्ड और गुजरात टाइटंस के खिलाफ भी वह आक्रामक शॉट खेलते हुए कैच आउट हुए थे। दलीप ट्रॉफी में भी कहानी कुछ अलग नहीं रही। 92 रन पर वैभव ने हर्ष दुबे की गेंद को छक्के के लिए भेजने की कोशिश की और कैच दे बैठे।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान टेस्ट

सीरीज गंवाने के बाद पीसीबी ने टीम में किए 7 बदलाव, कोच की दिखाया बाहर का रास्ता

कराची , एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने को अप्रत्याशित फैसला लेते हुए इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपनी टेस्ट टीम के सात खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुला लिया और उनकी जगह सात नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया। पीसीबी ने बताया कि मोहम्मद रिजवान, इमाम उल हक, सलमान अली आगा, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद को टीम से रिलीज कर दिया गया है।

बोर्ड ने मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया। उनकी जगह क्रमशः माइक हेसन और एश्ले नॉफ्के को नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए पहले दो टेस्ट में पाकिस्तान को करारी हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद ये बड़े बदलाव किए गए हैं। तीसरा और अंतिम टेस्ट नौ सितंबर से खेला जाना है। टीम में शामिल किए गए सात नए खिलाड़ी साइम अयूब, अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, साद बेग, मुहम्मद रंधावा, रजाउल्लाह और मुहम्मद इमरान जूनियर हैं।

टीम से जुड़ेंगे सात खिलाड़ी

इन सात खिलाड़ियों में से पांच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि मुहम्मद रंधावा और रजाउल्लाह ने अभी पाकिस्तान का किसी भी स्तर पर प्रतिनिधित्व नहीं किया है। सभी नए खिलाड़ी बर्मिंघम में होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान की टीम से जुड़ेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर मौजूद पाकिस्तान को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड से पारी और 103 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 194 रन से शिकस्त दी। पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट में हारने के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से गंवा चुका है।

बर्मिंघम टेस्ट के लिए पाकिस्तान की संशोधित टीम-

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी, रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

दायरा के ट्रेलर लॉन्च पर करीना कपूर का चढ़ा पारा! पैप्स को लगाई फटकार, हुईं ट्रोल

करीना कपूर जल्द बड़े पर्दे पर वापस नजर आने वाली हैं. मेघना गुलजार की फिल्म दायरा में उनका एक अनोखा रोल होने वाला है, जिसमें उनके साथ साउथ के पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं. सोमवार को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया, जिससे कहानी का आइडिया मिला. मुंबई में फिल्म का एक ट्रेलर लॉन्च इवेंट भी रखा गया, जहां से कई सारी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहीं.

फिल्म दायरा के ट्रेलर लॉन्च पर करीना कपूर का एक मोमेंट सुर्खियों में है, जहां वो पैपराजी से नाराज हो गई थीं. फोटो खिंचवाते समय पैपराजी उन्हें बार-बार अलग-अलग जगह और अलग-अलग एंगल पर खड़े होने के लिए कह रहे थे. करीना को हर मोमेंट राइट-लेफ्ट जाने के लिए कहा गया, जिससे वो परेशान हो गईं.

उन्होंने पैपराजी को अपने अंदार में फटकारते हुए कहा कि कभी इधर, कभी उधर, मैंने हील्स पहना है. उनके चेहरे पर परेशानी साफ नजर भी आई, और थोड़ा गुस्सा भी दिखा. करीना का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. कुछ लोगों ने उनकी तुलना दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन से की, क्योंकि वो भी अक्सर पैप्स पर भड़कती हुईं नजर आती हैं. एक यूजर का कहना है कि करीना को जरूरत से ज्यादा भाव क्यों दिया जाता है, जबकि उन्हें इग्नोर करना चाहिए. कइयों ने ये तक कहा कि अब उनकी उम्र हो गई है, इसलिए उसका असर नजर आ रहा है. कुछ ने तो उनकी प्रेग्नेंसी का भी जिक्र किया. ऐसे कई सारे कमेंट्स इस समय करीना के वीडियो पर देखने मिल रहे हैं.

प्रेग्नेंसी की उड़ी थी अफवाह

कुछ दिनों पहले करीना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो जिम से बाहर निकल रही थीं. उसमें वो प्रेग्नेंट नजर आईं. लोगों ने सोचा कि वो तीसरी बार मां बनने वाली हैं. करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी की जमकर चर्चा हुई, लेकिन फिर उनकी तरफ से सफाई में आया कि वो प्रेग्नेंट नहीं हैं.

'यू आर रॉकिंग' सुनकर अमिताभ बच्चन बोले- पत्थर तो उठाया नहीं! किलिंग इट' जैसे शब्दों पर भी ली चुटकी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपने हाजिरजवाबी अंदाज के लिए भी खूब पसंद किए जाते हैं। उम्र के इस पड़ाव पर भी वह बदलते दौर और नई पीढ़ी की भाषा को समझने की कोशिश करते रहते हैं। हाल ही में लोकप्रिय क्विज कार्यक्रम 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक एपिसोड में उन्होंने जेन-जी की बदलती बोलचाल पर मजेदार अंदाज में अपनी उलझन साझा की।

अमिताभ बच्चन ने कहा कि समय के साथ भाषा भी बदलती रहती है और हर पीढ़ी अपने नए शब्द और बोलने का अंदाज लेकर आती है। उन्होंने जेन-जी के कुछ प्रचलित शब्दों का शाब्दिक अर्थ निकालते हुए जमकर मजाक किया।

अमिताभ ने बताया कि जब युवा उनसे कहते हैं, 'सर, यू आर रॉकिंग', तो उन्हें समझ नहीं आता कि आखिर इसका मतलब क्या है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने तो अब तक कोई पत्थर तक नहीं उठाया है। इसी तरह 'किलिंग इट' जैसे शब्दों पर भी उन्होंने चुटकी ली। बच्चन ने कहा कि जब कोई उनकी तस्वीर देखकर कहता है, 'सर, यू आर किलिंग इट', तो उन्हें लगता है कि सामने वाला उनसे मौत की

बात क्यों कर रहा है। बिग बी की इस मजेदार बात पर कार्यक्रम का माहौल हंसी से भर गया। उनका यह अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया। अमिताभ बच्चन पहले भी जेन-जी की नई शब्दावली को लेकर अपनी जिज्ञासा जाहिर कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने एक नए शब्द 'बीवी पगलू' का अर्थ जानने की कोशिश की थी। इसका मतलब समझने के बाद उन्होंने मजाक में कहा कि पत्नी को घर का मुखिया मान लेना ही समझदारी है।

उन्होंने हंसते हुए कहा कि पत्नी को बॉस मानकर चलिए, तभी जिंदगी आसानी से चलेगी, वरना नौकरी से निकाले जाने का खतरा बना रहेगा।

मेट्रो बाजार

भारत में टोल संग्रह वित्त वर्ष 28 में 12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों से टोल संग्रह वित्त वर्ष 2027-28 में 10-12 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह टोल दरों में संशोधन और ट्रैफिक में 4-5 प्रतिशत की वृद्धि होना है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुमान ट्रैफिक की धीमी ग्रोथ और टोल दरों में कम बदलाव के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में टोल कलेक्शन की वृद्धि के आंकड़े 7-9 प्रतिशत पर आधारित है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2026-27 में नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक की वृद्धि 4.5-5.5 प्रतिशत होगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 6 प्रतिशत थी।इस साल टोल दरों में 3.4-4 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है। आईसीआरए के कॉर्पोरेट रेटिंग्स के को-ग्रुप हेड सुप्रियो बनर्जी ने कहा, ÷नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक में बढ़ोतरी काफी हद तक कंस्ट्रक्शन, माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग (सीएमएम) के ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) के साथ-साथ चलती है।÷ उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में सीएमएम जीवीए में 8.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिससे नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और टोल कलेक्शन में 10 प्रतिशत की वृद्धि को सपोर्ट मिला। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2027-28 के लिए टोल दरों में ज्यादा बदलाव का अनुमान लगाया गया है, जिसे वेस्ट एशिया संकट के बीच होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) महंगाई में अनुकूल बदलाव से सपोर्ट मिलेगा। इसमें दिसंबर 2026 में डब्ल्यूपीआई में 8-8.5 प्रतिशत और मार्च 2027 में 4.5-5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान भी लगाया गया है।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच जीएसटी 2.0 ने भारत को दी आर्थिक ताकत : मारुति चेयरमैन

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने सोमवार को कहा कि जीएसटी 2.0 से ऑटो सेक्टर के साथ अर्थव्यवस्था के कई सेक्टर्स को फायदा हुआ है, जिससे देश को पश्चिमी एशिया युद्ध से आई अस्थिरता का मजबूती से सामना करने में मदद मिली है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने कहा कि भारत की कार इंडस्ट्री का आकार 2031 में 63 लाख यूनिट्स तक पहुंच सकता है और इस दौरान छोटी गाड़ियों का मार्केट बीते पांच वर्षों के मुकाबले तेजी से बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है और पश्चिम एशिया युद्ध के बुरे असर के बावजूद जीएसटी कलेक्शन अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।भार्गव ने कहा, ÷मेरा मानना ??है कि अगर जीएसटी में सुधार नहीं किए गए होते, तो हम बीते मुश्किल महीनों में इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते।÷ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सरकार के अन्य सभी सदस्यों को इस ÷ऐतिहासिक सुधार÷ के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ÷इस सुधार ने दिखाया है कि इससे अर्थव्यवस्था में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। मैं राज्य सरकारों और केंद्र सरकार से अपील करूंगा कि वे सुधार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ें, कारोबार करना आसान बनाने के प्रयास जारी रखें और ज्यादा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, क्योंकि इससे भ्रष्टाचार और देरी कम होती है। उन्होंने आगे कहा, जितनी तेजी से संपत्ति बनेगी, उतनी ही तेजी से सरकारी राजस्व भी बढ़ेगा। अगर सरकारी कार्यक्रम इसी तरह चलते रहे, तो देश में विकास ज्यादा समान रूप से होगा। भार्गव ने बताया कि सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है, जिससे ज्यादा आर्थिक गतिविधियों के कारण रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा होते हैं।

57 टनल, 226 ब्रिज, 108 कर्व...

वेस्टर्न घाट में दौड़ती वंदे भारत के पीछे है रेलवे की कड़ी मेहनत

नई दिल्ली, एजेंसी

इन दिनों सोशल मीडिया पर आपने भी एक वायरल वीडियो देखा होगा, जिसमें पहाड़ों पर ऑरेंज-ब्लैक कलर कॉम्बिनेशन वाली एक वंदे भारत ट्रेन घने जंगलों और धुंध के बीच सुरंगों से गुजरती हुई बेहद खूबसूरत नजर आती है। ड्रोन कैमरे में कैद यह वीडियो बेंगलुरु-मंगलुरु के बीच वेस्टर्न घाट से होते हुए वंदे भारत ट्रेन के ट्रायल रन का है। प्राकृतिक सुंदरता के बीच ट्रेन का यह सफर जितना शानदार दिखता है, इसके पीछे भारतीय रेलवे की उतनी ही चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग और कड़ी सेफ्टी टेस्टिंग है। कर्नाटक के वेस्टर्न घाट में इस रूट को साकलेशपुर-सुब्रह्मण्य रोड सेक्शन या शिराडी घाट सेक्शन के नाम से जाना जाता है। इस सेक्शन की लंबाई 55 किलोमीटर के करीब है, लेकिन इस हिस्से में वंदे भारत चलाना रेलवे के लिए इतना आसान नहीं था। सामने कई बड़ी चुनौतियां थीं। इस रूट पर 57 सुरंगें, 226 पुल, 108 तीखे मोड़ और हर 50 मीटर की क्षैतिज दूरी तय करने पर ऊंचाई में 1 मीटर का बदलाव (चढ़ाई या ढलान) आता है। इसके अलावा इस सेक्शन कई हिस्से लैंडस्लाइड प्रोन हैं। यानी यहां भूस्खलन का खतरा बना रहा है।

ट्रायल में सिर्फ ट्रेन नहीं पूरा ऑपरेशन परखा

इस रूट पर वंदे भारत का ट्रायल रन पूरा हो चुका है। हालांकि, बारिश और चुनौतीपूर्ण रास्ते को देखते हुए ट्रेन को नियंत्रित गति के साथ ही चलाया गया। रेलवे की मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, ऑपरेशन और सिक्योरिटी टीमों ने लगातार वंदे भारत के ट्रायल रन की निगरानी की। रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन ने ट्रेन की परफॉर्मेंस का आकलन किया। टेस्टिंग में सिर्फ ट्रेन की रनिंग परफॉर्मेंस ही नहीं देखी गई, बल्कि इमरजेंसी और ऑपरेशनल परिस्थितियों में इसके व्यवहार को भी परखा गया। अब बेंगलुरु से मंगलुरु के बीच वंदे भारत ट्रेन कबसे शुरू होगी इसका अंतिम फैसला रेलवे को लेना है। मौजूदा टेस्ट रन में एक तरफ का सफर करीब 8 I5 घंटे का रखा गया था। संभावित स्टॉपेज में हासन, साकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड जैसे स्टेशन शामिल थे। रूट, स्टॉपेज और टाइमटेबल पर अंतिम फैसला जरूरी सुरक्षा मंजूरियों के बाद ही होगा। बेंगलुरु-मंगलुरु वंदे भारत को आगे मडगांव तक बढ़ाने की बात पहले सामने आ चुकी है। हालांकि इसका अंतिम फैसला रेलवे बोर्ड पर निर्भर करेगा। फिलहाल रेलवे का फोकस इस चुनौतीपूर्ण घाट सेक्शन पर ट्रेन का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने पर है।

न्यूज विंडो

रूसी सेना में शामिल 51 भारतीयों की मौत, 139 को मिली छुट्टी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि रूसी सेना में भर्ती किए गए 227 भारतीयों में से 139 को छुट्टी दे दी गई है, जबकि 51 की मौत हो गई है। जो भारतीय अभी भी सेना में हैं, उन्हें छुड़ाने और वापस लाने के लिए भारत मॉस्को के साथ बातचीत कर रहा है। मिसरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किर्गिजस्तान यात्रा के बारे में विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग के दौरान रूसी सेना में भारतीयों के शामिल होने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए ये आंकड़े दिए। उन्होंने कहा कि रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती का मुद्दा रूस के साथ अलग-अलग मौकों पर और अलग-अलग स्तरों पर उठाया गया है।

भारत में बनेगी जैवलिन मिसाइल, टाटा ने अमेरिकी कंपनियों से मिलाया हाथ

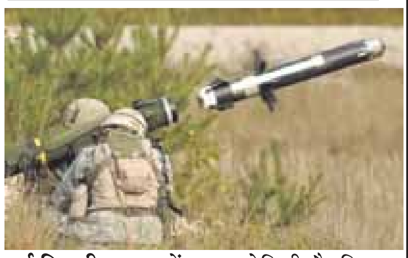

नई दिल्ली। भारत में अब अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम का सह-उत्पादन किया जाएगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और जैवलिन प्वाइंट वेंचर (जेजेवी) ने भारत में जैवलिन ऑल-अप राउंड के सह-उत्पादन के लिए समझौता किया है। इसके तहत भारत में मिसाइलों की अंतिम असेंबली और एकीकरण के लिए विशेष सुविधा स्थापित की जाएगी। सब-असेंबली किट और जरूरी उपकरण अमेरिका से भारत भेजे जाएंगे। इस साझेदारी से भारत की रक्षा निर्माण क्षमता, घरेलू आपूर्ति श्रृंखला और कुशल कार्यबल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब भारतीय सेना जैवलिन मिसाइल सिस्टम की खरीद की दिशा में आगे बढ़ रही है।

सिंधु जल संधि पर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के फैसले को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय विवादों की मध्यस्थता करने वाली हेग स्थित परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) की तरफ से सिंधु जल संधि पर सुनाये गये फैसले को भारत सरकार ने एक सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान की अपील पर पीसीए ने सिंधु जल संधि पर फैसले सुनाये हैं। एक फैसला उक्त संधि की स्थिति को लेकर है जबकि दूसरा यह है कि क्या दोनों में से कोई एक देश इस संधि को खारिज कर सकता है। अदालत ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत को संधि के तहत अपनी बाध्यताओं का पालन करना चाहिए। अदालत ने भारत के संधि को 'स्थगित' रखने के फैसले को संधि को निलंबित या समाप्त करने के प्रयास के रूप में देखा है और कहा कि संधि किसी एक पक्ष को इसे समाप्त, निलंबित या स्थगित करने का अधिकार नहीं देती। कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में रतले जलविद्युत परियोजना पर कुछ निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाने का भी निर्देश दिया है। पीसीए के फैसले को एक सिरे से खारिज करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा है कि यह तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय विश्व बैंक द्वारा संधि की शर्तों का खुला उल्लंघन कर गठित किया गया था।

2028 राष्ट्रपति चुनाव की रेस पर ट्रंप ने लगाया ब्रेक!

पीट हेगसेथ को लेकर बोले- अभी चुनाव की बात करना जल्दबाजी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चाएं अभी से तेज होने लगी हैं। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के संभावित राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लगाने की कोशिश की है। ट्रंप ने कहा कि 2028 के चुनाव की चर्चा के लिए अभी काफी समय है और इस समय रिपब्लिकन पार्टी का पूरा ध्यान आगामी मिडटर्म चुनावों पर होना चाहिए।

हेगसेथ की तारीफ, लेकिन 2028 पर ट्रंप ने कहा- अभी बहुत वक्त है- ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप से जब पीट हेगसेथ के 2028 में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की संभावनाओं को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर किसी संभावना की पुष्टि नहीं की। ट्रंप ने कहा कि हेगसेथ शानदार काम कर रहे हैं, लेकिन 2028 के चुनाव पर अभी से चर्चा करना जल्दबाजी होगी। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि पहले अमेरिका को आगामी मिडटर्म चुनाव की प्रक्रिया से गुजरना है। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी की मौजूदा प्राथमिकता चुनावी तैयारियों और सरकार के कामकाज पर केंद्रित है, न कि अगले राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों पर।

रिपब्लिकन पार्टी में कई दावेदार हो सकते हैं

डोनाल्ड ट्रंप ने पीट हेगसेथ को एक अच्छा व्यक्ति बताते हुए कहा कि 2028 के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से संभावित दावेदारों की संख्या काफी अधिक हो सकती है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसे कई नेता हो सकते हैं, जो राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हों, लेकिन अभी उन्होंने अपनी महत्वाकांक्षा सार्वजनिक नहीं की है। ट्रंप की इस टिप्पणी को रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भविष्य की नेतृत्व दौड़ को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने किसी संभावित उम्मीदवार का नाम लेकर समर्थन या विरोध नहीं किया।

रक्षा मंत्री के लिए अभी सेना सबसे बड़ी प्राथमिकता | ट्रंप के मुताबिक, पीट हेगसेथ फिलहाल 2028 के चुनाव के बजाय अमेरिकी सेना की तैयारियों और सैनिकों की जरूरतों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री की प्राथमिकता इस समय सैन्य मामलों को मजबूत करना और अमेरिकी सेना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करना है।

हेगसेथ ने भी चुनावी तैयारी की खबरों को बताया था गलत

ट्रंप की टिप्पणी से पहले पीट हेगसेथ ने एनबीसी न्यूज की उस रिपोर्ट को खारिज किया था, जिसमें दावा किया गया था कि वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मौजूदा लक्ष्य अमेरिकी रक्षा विभाग को मजबूत करना है। हेगसेथ ने संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति पद की संभावित दौड़ के बजाय अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मिडटर्म चुनाव पर टिकी ट्रंप प्रशासन की नजर

अमेरिकी राजनीति में राष्ट्रपति चुनाव के बाद अगले चुनाव को लेकर अटकलें लगना आम बात है। ऐसे में हेगसेथ का नाम 2028 के संभावित रिपब्लिकन दावेदार के रूप में सामने आना राजनीतिक रूप से चर्चा का विषय बना। हालांकि, ट्रंप और हेगसेथ दोनों के बयानों से फिलहाल यही संकेत मिलता है कि 2028 की राष्ट्रपति पद की दौड़ पर सार्वजनिक चर्चा से दूरी बनाए रखी जा रही है। ट्रंप का ताजा बयान बताता है कि फिलहाल उनका ध्यान आगामी मिडटर्म चुनाव और सरकार की मौजूदा प्राथमिकताओं पर केंद्रित है।

14 साल पहले जहां पुलिस फायरिंग में हुई थी बेटे की मौत, वहीं पिता ने किया सुसाइड

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के 2012 के बहुचर्चित थानगढ़ पुलिस फायरिंग में अपने दिवंगत बेटे के लिए 14 सालों से न्याय की लड़ाई लड़ रहे एक बेबस पिता ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है।

53 वर्षीय अमरशीभाई सुमरा ने उसी इलाके में चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी, जहां 14 साल पहले पुलिस फायरिंग में उनके 16 वर्षीय बेटे पंकज सुमरा की जान चली गई थी। परिजनों ने बताया कि अमरशीभाई ने रात के समय थानगढ़ और लखमांची के बीच चलने वाली हापा-मुंबई ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की। उनके संघर्ष की शुरुआत सितंबर 2012 में हुई थी, जब थानगढ़ के तरणेतर मेले के दौरान दलित और भरवाड़ समुदाय के लोगों के बीच विवाद हो गया था। इस हिंसक झड़प के बाद पुलिस ने फायरिंग की थी, जिसमें मेहुल राठौड़, पंकज सुमरा और प्रकाश परमार नामक तीन दलित युवकों की मौत हो गई थी। 2012 में हुई इस फायरिंग की घटना ने पूरे गुजरात को झकझोर कर रख दिया था और पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। बढ़ते आक्रोश को देखते हुए राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने थानगढ़ जाकर निरीक्षण किया था। टीम ने घटनास्थल की माप-तौल की थी ताकि यह स्पष्ट हो सके कि फायरिंग कहां से हुई थी, और पूरे इलाके की वीडियोग्राफी भी की गई थी।

मणिपुर : कंगपोकपी में उग्रवादी हमला दो ग्रामीणों की हत्या, कई घर जलाए

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के कंगपोकपी जिले में सोमवार सुबह संदिग्ध उग्रवादियों ने बंदूक से गोलीबारी करके दो ग्रामीणों की हत्या कर दी और एक अन्य घायल हो गया।

जिले के अधिकारियों ने बताया कि सशस्त्र व्यक्तियों ने टी.वाइचोंग उपखंड के कुकी-आबादी वाले गांव एन. तैखांग में अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें दो व्यक्तियों की मौत हो गई और कई घरों को भी आग लगा दी गई। यह हमला सुबह लगभग 9:30 बजे हुआ। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय लम्तिनथांग और नेइचिन के रूप में की गई है। 65 वर्षीय सेइलुन नाम का एक अन्य व्यक्ति भी इस हमले के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। गोलीबारी के कारण कई ग्रामीण अपने घरों से भागकर नजदीकी जंगलों में शरण लेने को मजबूर हो गए। पहाड़ी गांव में दोनों समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच भारी गोलीबारी जारी थी। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सुरक्षा बलों को क्षेत्र में भेजा जा रहा था। यह हमला उस समय हुआ जब संदिग्ध उग्रवादियों ने जिले में एक वाहन पर हमला किया, जिसमें चार नगाओं की हत्या कर दी गई और एक अन्य घायल हो गया। फरवरी से राज्य में नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से 20 से अधिक लोग अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में मारे जा चुके हैं और कई घर जलाए जा चुके हैं।

नेपाल में एक ही घर से 24 शव बरामद, अब तक 939 लोगों की मौत और 4000 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में आई भीषण बाढ़ को कई दिन गुजर चुके हैं, लेकिन तबाही का खौफनाक मंजर अब भी कायम है। बिखरे हुए मलबे के बीच जिंदगियां तलाशने का अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। करीब चार हजार लोग अभी भी लापता हैं।

रेस्क्यू एजेंसियों के अनुसार, अब तक करीब 939 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को नुवाकोट जिले में रेस्क्यू के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। नेपाल के एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार, नुवाकोट जिले के भोटे कोशी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बिदुर नगर पालिका-10 (वेत्रवंती) में एक ही घर के मलबे से 24 शव निकाले गए हैं। नुवाकोट के एसपी बिपिन रेग्मी ने बताया कि बरामद किए गए शवों में 13 महिलाएं, 11 पुरुष और एक बच्चा शामिल है। फिलहाल शवों की पहचान नहीं हो सकी है और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल भेज दिया गया है।

आपदा को आए कई दिन हो गए हैं, लेकिन लापता लोगों की तादाद अब भी हजारों में बनी हुई है। कुल मिलाकर करीब 4,000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। रसुवा जिले के उत्तरगया गांव में ही करीब 350 छात्रों का कोई सुराग नहीं है।

प्रिंसिपल की सूझबूझ से बची छात्रों की जान

त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी के सही समय पर लिए गए फैसले ने करीब 900 छात्रों की जान बचा ली। बाढ़ की चेतावनी मिलते ही प्रिंसिपल दवाड़ी ने तुरंत स्कूल खाली कराया और सभी मौजूद छात्रों को पास की एक सुरक्षित पहाड़ी पर पहुंचा दिया। कुछ ही देर बाद पानी, कीचड़ और चट्टानों का तेज बहाव स्कूल की पूरी इमारत को बहा ले गया। हादसे के वक्त स्कूल के 1,643 छात्रों में से करीब 900 कैंपस में मौजूद थे। दुर्भाग्य से, स्कूल के दो कर्मचारी समय पर बाहर नहीं निकल सके और वे अभी भी लापता हैं।

मेट्रो एंकर | पाकिस्तान में मदरसे के लिए हिंदू मंदिर की जमीन पर किया गया कब्जा?

125 साल पुराना मंदिर गिराने पर विवाद गहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में करीब 100 से 125 साल पुराने हिंदू मंदिर के ढहाए जाने को लेकर विवाद गहरा गया है। नरोवाल जिले के सिराज गांव में लगभग 1,000 वर्ग मीटर जमीन पर बने इस प्राचीन मंदिर को लेकर स्थानीय लोगों और अल्पसंख्यक संगठनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि 21 अगस्त को कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों ने मंदिर को जानबूझकर गिराया, ताकि उसकी जमीन को पास के मदरसे में शामिल किया जा सके। हालांकि, सरकारी अधिकारियों का कहना है कि मंदिर काफी पुराना और जर्जर था तथा भारी बारिश के कारण ढह गया।

मामले में पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी ने पंजाब सरकार से तत्काल कार्रवाई और मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग की है। पार्टी के चेयरमैन असलम परवेज सहोत्रा ने 28 अगस्त को पंजाब के अतिरिक्त गृह सचिव से मुलाकात कर लिखित शिकायत भी दी। उनका आरोप है कि मंदिर ढहने के बाद उसके शिखर की धातु की फिटिंग, ईंटों और अन्य निर्माण सामग्री को भी वहां से हटा दिया गया।

मदरसे के लिए लीज पर दी गई थी जमीन, बाद में रद्द हुआ समझौता- सहोत्रा के मुताबिक, मंदिर से सटी जमीन को इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने मदरसा बनाने के लिए लीज पर दिया था। उनका कहना है कि कई वर्षों तक किराया नहीं चुकाने और निर्धारित उद्देश्य के अनुसार परिसर का इस्तेमाल नहीं किए जाने के कारण लीज रद्द

कर दी गई थी। इसके बावजूद कुछ लोगों ने संपत्ति के हिस्सों पर कथित तौर पर कब्जा बनाए रखा। उनका आरोप है कि कब्जा हटाने की कार्रवाई के बीच तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से जुड़े लोगों ने मंदिर को कथित तौर पर गिराकर उसे मदरसे के परिसर में मिला दिया।

जनवरी में ही जारी हो चुका था कब्जा हटाने का आदेश- सहोत्रा ने बताया कि ईटीपीबी के सियालकोट डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर ने 29 जनवरी 2026 को मदरसे की लीज रद्द करने, कथित अवैध कब्जाधारियों को हटाने और संपत्ति को सील करने का आदेश दिया था। आरोप है कि आदेश के बावजूद प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

सरकारी दावे ने बढ़ाया विवाद

ईटीपीबी के वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार ने मंदिर की उम्र 100 से 125 वर्ष के बीच बताई, लेकिन दावा किया कि भारी बारिश के कारण पुराना ढांचा ढह गया। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर की जमीन किसी को लीज पर नहीं दी गई थी। दूसरी ओर, हिंदू समुदाय और पीएमएमपी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पार्टी ने पंजाब सरकार से हिंदू मंदिरों के साथ-साथ सिख गुरुद्वारों और ईसाई चर्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। मंदिर गिराए जाने को लेकर सामने आए आरोपों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की धार्मिक संपत्तियों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524